website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 44 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 24 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

तमिल संस्कृति के विरोधी हैं, मंदिरों में दीप जलाने पर भी रोक लगाते हैं: डीएमके पर पीएम मोदी का हमला

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को तमिलनाडु में चुनावी अभियान का बिगुल फूंकते हुए स्टालिन सरकार पर जबरदस्त हमला बोला। द्रमुक सरकार को 'भ्रष्टाचार, माफिया और अपराध' वाली सरकार करार देते हुए कहा कि इस शासन में न तो लोकतंत्र बचा है और न ही जनता का भरोसा। इतना ही नहीं उन्होंने स्टालिन सरकार को तमिल संस्कृति का विरोधी करार देते हुए राज्य में हालिया कुछ घटनाओं का जिक्र भी किया, जिसमें जल्लीकट् पर प्रतिबंध, तिरुपरनकुंद्रम दीपम जैसे मामले शामिल थे। चेन्नई से लगभग 100 किलोमीटर दूर मदुरंतकम में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि द्रमुक के 'वंशवादी, भ्रष्ट और माफिया शासन' की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और तमिलनाडु अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य की जनता द्रमुक के कुशासन से मुक्ति पाने के लिए तैयार है और राजग को दिया गया हर वोट ड्रग माफिया और भ्रष्टाचार के खिलाफ होगा।

तमिल संस्कृति की दुश्मन डीएमके सरकार पर बरसे पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कांग्रेस और डीएमके को घेरते हुए

कहा कि इन दलों ने ही पारंपरिक खेल जलीकट् पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे एनडीए सरकार ने वापस लाकर सालाना आयोजन सुनिश्चित किया। उन्होंने द्रमुक को तमिल संस्कृति का शत्रु बताते हुए कहा कि यह सरकार तिरुपरनकुंद्रम दीपम जैसे धार्मिक रीति-रिवाजों का विरोध कर रही है। प्रधानमंत्री ने काशी तमिल संगमम का उल्लेख करते हुए तमिल भाषा के प्रति अपने प्रेम को साझा किया और पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के शासन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की थी, जिसे राजग सरकार आगे भी बनाए रखेगी।

तमिलनाडु को मिले केंद्र के विकास कार्यों का किया जिक्र

जनता के सामने केंद्र सरकार के काम का हिसाब देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने तमिलनाडु को तीन लाख करोड़ रुपये दिए हैं, जो कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के कार्यकाल की तुलना में तीन गुना अधिक है। उन्होंने 'मेड इन इंडिया' वंदे भारत ट्रेनों और रेलवे के सात गुना अधिक विकास बजट का उल्लेख करते हुए राज्य में 'डबल इंजन' सरकार की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि वैश्विक निवेशकों के सहयोग से राज्य का तेजी से विकास हो सके।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के अंत में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि पोंगल के मौके पर तमिलनाडु में उत्सव का माहौल है और देश आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस को उनकी जयंती पर याद कर रहा है। उन्होंने कहा कि वह मदुरंतकम के एरिकथा रामर (झील की रक्षा करने वाले भगवान राम) को नमन करते हैं, जो मंदिर मदुरंतकम में प्रसिद्ध है।

आईआईटी दिल्ली की नई पहल: युवा फैकल्टी को मिलेगा रिसर्च के लिए विशेष फंड

नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली ने रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है। इसके तहत संस्थान के 45 वर्ष या उससे कम उम्र के युवा और प्रतिभाशाली फैकल्टी मेंबर्स को विशेष रिसर्च फंड और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे अपने शोध कार्य को बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ा सकें। आईआईटी दिल्ली के अनुसार, यह फंड पूरी तरह फ्लेक्सिबल होगा, जिसका उपयोग आधुनिक उपकरण और मशीनें खरीदने, सॉफ्टवेयर लेने, फील्ड रिसर्च, प्रोटोटाइप निर्माण, पोस्ट-डॉक्टरल रिसर्चर नियुक्त करने और अन्य शोध गतिविधियों में किया जा सकेगा। इस पहल का उद्देश्य रिसर्च को व्यावहारिक और समाजोपयोगी बनाना है। इसके तहत 'दीपक राघवन फैमिली फाउंडेशन एक्सेलरेटर प्रोग्राम' शुरू किया गया है, जिसमें चयनित फैकल्टी को पांच वर्षों के लिए एंडोव्ड चेयर प्रोफेसर बनाया जाएगा। उन्हें रिसर्च फंड, स्टाफ और अन्य संसाधन भी मिलेंगे। कार्यक्रम में हर पांच साल में एक पूर्ण वित्तपोषित पीएचडी फेलोशिप भी दी जाएगी। आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि यह पहल भारत को रिसर्च और इनोवेशन में आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाएगी।

थाईलैंड से रूस जा रही फ्लाइट में तकनीकी खराबी, चीन में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड से रूस जा रही अजुर एयरलाइंस की फ्लाइट में उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आ गई, जिससे विमान को चीन में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। 23 जनवरी 2026 को अजुर एयरलाइंस की फ्लाइट ZF-2998 फुकेट से रूस के बरनौल के लिए रवाना हुई थी। उड़ान के दौरान करीब 6.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर पायलट को तकनीकी खराबी का संकेत मिला, जिसके बाद विमान को चीन के लांझोऊ एयरपोर्ट की ओर मोड़ा गया। इस फ्लाइट में 238 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। एयरलाइन के मुताबिक सभी यात्री और क्रू पूरी तरह सुरक्षित हैं। फ्लाइट ने लांझोऊ एयरपोर्ट के पश्चिमी क्षेत्र में करीब 45 मिनट तक होल्डिंग पैटर्न में उड़ान भरी, ताकि ईंधन कम किया जा सके और आपात सेवाओं की तैयारी पूरी की जा सके। इसके बाद विमान को रनवे-19 पर सुरक्षित उतारा गया। लांझोऊ एयरपोर्ट प्रशासन ने एहतियातन रनवे खाली कराया और फायर ब्रिगेड, मेडिकल टीमें व सुरक्षा एजेंसियां तैनात रहीं। फिलहाल विमान में आई तकनीकी खराबी की जांच की जा रही है। इस घटना से यात्रियों में कुछ समय के लिए दहशत जरूर रही, लेकिन समय पर लिए गए फैसलों से बड़ा हादसा टल गया।

श्रीनगर में बर्फबारी से हवाई और सड़क यातायात बाधित

श्रीनगर। श्रीनगर और कश्मीर घाटी में शुक्रवार को हुई ताज़ा बर्फबारी ने जनजीवन और यातायात को प्रभावित कर दिया है। लगातार हिमपात और खराब मौसम के कारण श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फ्लाइट ऑपरेशंस बाधित हुए। रनवे पर बर्फ जमने और कम दृश्यता के कारण कई उड़ानों की लैंडिंग और टेकऑफ नहीं हो सकी। एयरलाइंस ने यात्रियों को उड़ानों में देरी और रद्द होने की चेतावनी दी है और संपर्क में रहने की अपील की है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने हाल ही में रनवे से बर्फ हटाने के बाद उड़ानों के धीरे-धीरे बहाल होने की संभावना जताई है। सड़क यातायात की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को नवयुग टनल के पास बंद कर दिया गया है, जबकि मुगल रोड और सिंथन रोड पर भी भारी बर्फ जमा होने के कारण मार्ग अवरुद्ध हैं। ट्रैफिक पुलिस ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहनों को रोक रखा है। मौसम विभाग के अनुसार श्रीनगर और आसपास के क्षेत्रों में बर्फबारी अभी जारी है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। लगातार बंद सड़क और हवाई सेवाओं के कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली मेट्रो की विशेष व्यवस्था, सभी लाइनें सुबह 3 बजे से चलेंगी

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली मेट्रो ने यात्रियों की सुविधा के लिए खास इंतजाम किए हैं। 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर आयोजित समारोह में शामिल होने वाले लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए दिल्ली मेट्रो की सभी लाइनों पर सेवाएं सुबह 3 बजे से शुरू होंगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने बताया कि सुबह 3 बजे से 6 बजे तक ट्रेनें 15-15 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। इसके बाद दिनभर मेट्रो सेवाएं अपने नियमित समय-सारणी के अनुसार संचालित होंगी। डीएमआरसी ने यात्रियों से अपील की है कि वे समय पर अपनी यात्रा की योजना बनाएं और सुबह की मेट्रो सेवाओं का लाभ उठाएं, ताकि भीड़ और असुविधा से बचा जा सके। प्रेस नोट में कहा गया है कि गणतंत्र दिवस पर दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी स्टेशनों पर पार्किंग सुविधाएं भी पूरी तरह चालू रहेंगी, जिससे निजी वाहनों से आने वाले लोग भी आसानी से समारोह स्थल तक पहुंच सकेंगे। डीएमआरसी ने यह खास इंतजाम समारोह में शामिल लोगों की सुविधाओं और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया है।

किस पार्टी से होगा BMC का मेयर? लॉटरी के बाद एकनाथ शिंदे की पहली प्रतिक्रिया

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका में मेयर पद के लिए आरक्षण तय होने के एक दिन बाद डिप्टी सीएम और शिवसेना के चीफ एकनाथ शिंदे की प्रतिक्रिया सामने आई। मुंबई का मेयर कौन होगा, इस पर उन्होंने कोई साफ जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मेयर महायुति का होगा। हालांकि, साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि हम सत्ता और कुर्सी के लिए साथ नहीं हैं। अब सवाल है कि क्या शिवसेना ने दावेदारी छोड़ दी है। यह तस्वीर आने वाले दिनों में साफ हो जाएगी।

सीएम के लौटने के बाद होगा फैसला

सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस अभी दावोस में हैं और जल्द ही लौटने वाले हैं। उनके आने के बाद शिवसेना और बीजेपी के नेताओं की बैठक में मेयर पद पर फैसला लिया जाएगा। एक बात जो तय है, इस बार मेयर पद पर एक महिला ही काबिज होंगी। विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर की रिश्तेदार हर्षिता नार्वेकर सहित कई नाम बीजेपी कोटे से आगे चल रहे हैं।

बीजेपी और शिवसेना के पास बहुमत से ज्यादा पार्षद

बीजेपी का दावा इसलिए मजबूत माना जा रहा है क्योंकि वह बीएमसी की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। बीजेपी ने शिवसेना के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा और 227 में से 89 सीटों पर कब्जा जमाया। एकनाथ शिंदे की शिवसेना 29 सीटों पर ही जीत सकी। दोनों का आंकड़ा 118 होता है और बीएमसी में सरकार बनाने के लिए 114 पार्षदों का समर्थन चाहिए। ऐसे में बीजेपी और शिवसेना के पास बहुमत से ज्यादा का आंकड़ा है।

चुनाव और आरक्षण की प्रक्रिया

16 जनवरी को महाराष्ट्र महानगरपालिका चुनावों के नतीजे घोषित हुए थे। 22 जनवरी को लॉटरी के जरिए मेयर पदों के लिए आरक्षण की घोषणा हुई। अभी तक किसी भी महानगरपालिका में मेयर पद के लिए किसी भी दल ने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। सभी सियासी दल अभी समीकरण साधने में जुटे हुए हैं।

ट्रंप के 50% टैरिफ पर राहुल गांधी का मोदी सरकार पर सीधा हमला, बोले– 'ये आपकी ही जवाबदेही हैं'

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने अमेरिकी टैरिफ के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को हो रहे नुकसान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने शुक्रवार (23 जनवरी 2026) को कहा कि उन्हें (पीएम मोदी) अपनी कमजोरी का असर अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता होना चाहिए जिसमें भारतीय व्यवसाय और मजदूरों को तवज्जो मिले।

मानेसर की कपड़ा फैक्ट्री पहुंचे राहुल, मजदूरों की परेशानी का किया जिक्र

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में गुरुग्राम के पास मानेसर में एक कपड़ा फैक्ट्री का दौरा किया और इसका वीडियो उन्होंने शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। राहुल ने कहा, 'मोदी जी, आपकी जवाबदेही बनती है, कृपया इस मामले पर ध्यान दीजिए।'

कपड़ा उद्योग पर अमेरिकी टैरिफ का सीधा असर: राहुल गांधी

उन्होंने कहा, 'भारत का कपड़ा उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था में रोजगार देने के मामले में दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। हमारे कपड़े दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं और हमारे दर्जियों की कारीगरी का सच में कोई मुकाबला नहीं है।' कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के

कारण कपड़ा उद्योग बहुत अनिश्चितता का सामना कर रहा है।

50% टैरिफ से निर्यातक दबाव में, नौकरियों पर खतरा

कांग्रेस नेता ने दावा किया, 'अमेरिका ने 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। यूरोप में कीमतें गिर रही हैं, बांग्लादेश और चीन से कड़ा मुकाबला है, हमारे कपड़ा उद्योग और कपड़ा निर्यातक हर तरफ से पिस रहे हैं। इसका सीधा असर नौकरियों पर पड़ रहा है। फैक्ट्रियां बंद हो रही हैं, खरीद घट रही है और पूरे क्षेत्र में खलबली है।'

राहुल ने दोहराया 'डेड इकोनॉमी' वाला आरोप

कांग्रेस नेता ने कहा, 'पीएम मोदी ने कोई राहत नहीं दी है और न ही टैरिफ के बारे में बात की है, जबकि 4.5 करोड़ से ज्यादा नौकरियां और लाखों बिजनेस दांव पर लगे हैं। नौकरियों का नुकसान, कारखानों का बंद होना और ऑर्डरों में कमी आना हमारी डेड इकोनॉमी की वास्तविकता बन चुकी है।' उनके मुताबिक, इस क्षेत्र में काम करने वालों को उन्हें बस एक ऐसी सरकार चाहिए जो उन्हें वास्तविक सहयोग दे।

अमेरिका से व्यापार समझौते में भारतीय मजदूरों को प्राथमिकता की मांग

राहुल गांधी ने कहा, 'यह बहुत जरूरी है कि भारत अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता करे जिसमें भारतीय उद्योग और भारतीय मजदूरों को वरीयता मिले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी कमजोरी का असर हमारी अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए।'

'डेड इकोनॉमी' बयान पर पहले भी मोदी सरकार को घेर चुके हैं राहुल

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले साल भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी कहा था, जिसका कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने समर्थन किया था। राहुल गांधी ने कहा था कि भारत डेड इकोनॉमी है और इसके लिए पीएम मोदी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा था, 'देश की आर्थिक स्थिति सबको दिख रही है, बस प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को नहीं दिख रही। अर्थव्यवस्था पूरी तरह से ठप हो चुकी है। मुझे खुशी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने सच्चाई बताई है।'

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में बिहार नंबर-1, राष्ट्रीय रैंकिंग में हासिल किया पहला स्थान

बिहार। बिहार को प्रदेश के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार (23 जनवरी, 2026) को यह जानकारी दी। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में यह घोषणा की गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बयान में बताया गया कि राज्य में नवंबर 2023 में मुख्यमंत्री डिजिटल स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत "सभी के लिए बिहार स्वास्थ्य अनुप्रयोग दूरदर्शी योजना (भव्या)" नामक एक स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) की शुरुआत की गई थी। बयान के मुताबिक, इस दूरगामी परिकल्पना को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के मार्गदर्शन में वर्तमान मुख्य सचिव एवं तत्कालीन स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत द्वारा तैयार किया गया था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, भव्या प्रणाली को

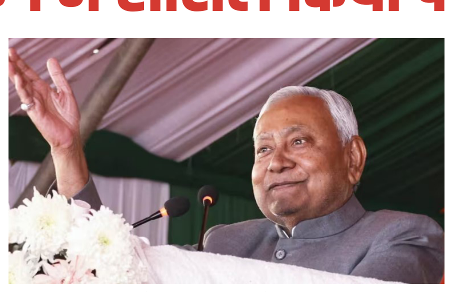

राज्य के सभी 594 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों (जिला अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक) सफलतापूर्वक लागू किया गया है। विभाग ने बताया कि इस प्रक्रिया में जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक निरंतर वास्तविक समय निगरानी सुनिश्चित की गई और इससे सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में एक सुव्यवस्थित व प्रभावी कागज रहित स्वास्थ्य प्रणाली स्थापित हुई। विभाग ने बयान में बताया कि इन निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि बिहार अब देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है, जहां सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अनुरूप 'भव्या' का सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित किया गया है। बयान के अनुसार, इस पहल के तहत 'स्कैन एंड शेयर' में अब तक 5.21 करोड़ टोकन सृजित कर बिहार ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया।

6.80 करोड़ आभा कार्ड, ई-हेल्थ रिकॉर्ड में भी बिहार की मजबूत स्थिति

वहीं राज्य में अब तक 6.80 करोड़ आभा पहचान पत्र बनाए जा चुके हैं। बयान के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड (ईएचआर) तैयार करने के मामले में बिहार ने देश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा, भव्या परियोजना को नवाचार और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए 'ग्लोबल डिजिटल हेल्थ समिट 2024' में इनोवेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया था। बयान में बताया गया कि डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना (डीएचआईएस) के तहत 7,835 सरकारी अस्पतालों का पंजीकरण किया गया और 37.60 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का दावा किया गया, जो देश में सबसे अधिक है।

लोकसभा चुनाव 2029 में सीट बदल देंगे बृजभूषण शरण सिंह!

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने लोकसभा चुनाव 2029 में इलेक्शन लड़ने की बात को दोहराया है। सिंह ने न सिर्फ चुनाव लड़ने की बात को दोहराया बल्कि हल्के-फुल्के अंदाज में सुल्तानपुर से ही दावा ठोंक दिया। सुल्तानपुर में पत्रकारों ने सिंह से पूछा कि वह किस सीट से चुनाव लड़ेंगे। इस पर बीजेपी नेता ने कहा- हो सकता है सुल्तानपुर से ही लड़ जाएं क्या परेशानी है? मैं सुल्तानपुर से लड़ जाऊं तो मुझको कुछ वोट मिलेगा की नहीं मिलेगा। मेरे लिए पूरा यूपी है, उस समय जो आएगा, उससे लड़ेंगे।

बीजेपी से ही लड़ेंगे या पार्टी बदलेंगे?

यह पूछे जाने पर कि क्या वह किसी और पार्टी से चुनाव लड़ेंगे या बीजेपी से ही दावेदारी करेंगे, सिंह ने कहा कि अभी तो हम भाजपा में हैं। तीन साल बाद क्या होने वाला है, क्या कोई बता पाएगा। मेरे साथ 2 बार षड्यंत्र हुए। विश्व में इतना बड़ा षड्यंत्र कभी नहीं हुआ। सिंह ने कहा कि मैं एक बार वहां जाना चाहता हूं जहां से बेइज्जत हो कर आया था। उनको बताना है कि देखो तुमने बेइज्जत किया था, मैं आया हूं।

प्रज्ञा सिंह के बयान पर भी बोले बीजेपी नेता

इसके साथ ही बृजभूषण सिंह ने पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाषा खराब थी लेकिन बात सही कही है। उन्होंने कहा कि चूंकि राहुल गांधी (लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष) दो नाव की सवारी करते हैं, इसलिए वह पीएम नहीं बन सकते। सिंह ने कहा कि वह चुनाव के समय हिंदू बन जाते हैं और चुनाव के बाद हिंदुओं को गाली देते हैं। तो दो नाव की सवारी करने वाले पीएम नहीं बन सकते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या सीएम योगी आदित्यनाथ से दोबारा मुलाकात होगी, बीजेपी नेता ने कहा कि क्यों नहीं बिल्कुल होगी।

केरल चुनाव से पहले कांग्रेस में खटास! शशि थरूर की हाईकमान बैठक से दूरी

नई दिल्ली । केरल विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस में हलचल तेज हो गई है। पार्टी हाईकमान द्वारा बुलाई गई अहम बैठक में कांग्रेस सांसद शशि थरूर शामिल नहीं होंगे। सूत्रों के मुताबिक, कोच्चि में हाल ही में हुई 'महापंचायत' के दौरान हुए घटनाक्रम से थरूर नाराज़ हैं और इसे अपने अपमान के रूप में देख रहे हैं।

महापंचायत में बैठने की व्यवस्था को लेकर असंतोष

सूत्रों के अनुसार, शशि थरूर को महापंचायत कार्यक्रम में बैठने की व्यवस्था पर आपत्ति थी। उनका मानना है कि यह व्यवस्था प्रोटोकॉल के अनुसार नहीं थी। बताया जा रहा है कि उन्हें कार्यक्रम स्थल पर 15 मिनट पहले पहुंचने और अपना भाषण जल्दी खत्म करने के निर्देश दिए गए, जिससे वे असहज महसूस कर रहे थे।

भाषण क्रम में बदलाव से बढ़ी नाराजगी

थरूर को बताया गया था कि उनके बाद

केवल राहुल गांधी ही भाषण देंगे। लेकिन बाद में ऐसा नहीं हुआ। राहुल गांधी के बाद छह अन्य नेताओं ने भी भाषण दिए, जिनमें से कुछ पार्टी के भीतर थरूर से कनिष्ठ माने जाते हैं। इसे लेकर उनकी नाराजगी और बढ़ गई।

राहुल गांधी के भाषण में नाम न आने का असंतोष

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी ने अपने भाषण में शशि थरूर का नाम नहीं लिया। थरूर इसे पार्टी के भीतर खुद को नजरअंदाज किए जाने के रूप में देख रहे हैं, जिससे उनका असंतोष और गहरा हो गया।

पहले भी सामने आ चुके मतभेद

गौरतलब है कि शशि थरूर और कांग्रेस की केरल इकाई के नेतृत्व के बीच पहले भी मतभेद सामने आ चुके हैं। हाल ही में वायनाड में हुई नेतृत्व बैठक के दौरान इन मतभेदों को सुलझा लिया गया था। उस समय पार्टी नेताओं और थरूर की ओर से कहा गया था कि कांग्रेस में कोई विवाद नहीं है और वे मिलकर काम करेंगे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

जीन-एडिटिंग की नई राह: बदलाव का विरोध नहीं, समझदारी से स्वीकार

हर बदलाव का विरोध करना हमेशा विवेकपूर्ण नहीं होता, खासकर तब जब वह बदलाव मानव जीवन और कृषि दोनों के लिए नई उम्मीदें लेकर आए। हाल के वर्षों में सरकार और वैज्ञानिकों के साझा प्रयासों से जीन-एडिटिंग यानी जीई तकनीक में जो असाधारण प्रगति हुई है, वह इसी तरह का एक परिवर्तन है। वर्ष 2026 से कृषि क्षेत्र में इसका व्यावहारिक इस्तेमाल शुरू होना एक तरह से हरित क्रांति के नए चरण का संकेत देता है। इसके साथ ही मानव जेनेटिक बीमारियों, विशेष रूप से सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में भी इस तकनीक से आशातीत सफलता की उम्मीद जगी है। जीन-मोडिफिकेशन यानी जीएम और जीन-एडिटिंग यानी जीई को अक्सर एक ही तराजू में तौल दिया जाता है, जबकि दोनों के बीच बुनियादी फर्क है। जीएम तकनीक में किसी दूसरे जीव का बाहरी डीएनए लक्षित जीन में डाला जाता है, जिससे उस जीव का मूल स्वभाव ही बदल जाता है। इसी वजह से भारत सहित दुनिया के कई देशों ने जीएम बीजों पर सख्त प्रतिबंध लगा रखे हैं। इसके उलट जीन-एडिटिंग तकनीक में किसी बाहरी जीन का प्रवेश नहीं होता। इसमें उसी जीव के जीन में पहले से मौजूद डीएनए के कुछ हिस्सों को वैज्ञानिक तरीके से हटाया या संशोधित किया जाता है। भारत में देशी क्रिस्पर तकनीक के माध्यम से की जाने वाली दो प्रक्रियाओं, एसडीएन-1 और एसडीएन-2, को सरकार ने वैध करार दिया है। इन प्रक्रियाओं में पौधों के जीन में मौजूद उन डीएनए हिस्सों को हटाया जाता है जो उनकी उत्पादकता या सहनशीलता को कम करते हैं। उदाहरण के तौर पर धान के पौधों में ऐसे जीन पाए जाते हैं जो पानी की अधिक खपत का कारण बनते हैं। जीन-एडिटिंग के जरिए इन हिस्सों को हटाकर ऐसे बीज तैयार किए गए हैं जो कम पानी में भी बेहतर उपज दे सकते हैं। इस विधि से तैयार किए गए दो नए बीज अब देश के किसानों के लिए लगभग हर जिले में उपलब्ध हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इनसे उत्पादन में लगभग 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है और सूखे जैसी परिस्थितियों का असर भी फसलों पर काफी हद तक कम होगा। जलवायु परिवर्तन के दौर में, जब अनिश्चित मौसम और पानी की कमी किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है, यह तकनीक एक मजबूत सहारा साबित हो सकती है। जीन-एडिटिंग का लाभ केवल कृषि तक सीमित नहीं है। चिकित्सा क्षेत्र में भी इसके प्रयोग से नई संभावनाएं खुली हैं। सिकल सेल जैसी बीमारी में मरीज के खून की स्टेम सेल्स में बदलाव करके उन्हें असामान्य आकृति लेने से रोकने पर काम हो रहा है। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो लाखों लोगों को आजीवन दर्द और जटिल इलाज से राहत मिल सकती है। इसके बावजूद देश में एक वर्ग इस तकनीक का विरोध कर रहा है और इसे जीएम के समान मान रहा है। यह विरोध काफी हद तक अधूरी जानकारी और भ्रम पर आधारित है।

महाराष्ट्र नगरीय चुनावों का बड़ा संदेश: अस्मिता की राजनीति पर विकास, स्थिरता और भरोसेमंद शासन की जीत साफ नजर आई

-बीएमसी नतीजों ने दिखाया कि मतदाता भावनात्मक नारों से ऊपर उठकर विकास को तरजीह दे रहा है

महाराष्ट्र के नगरीय निकाय चुनाव, खासकर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के नतीजे, भारतीय राजनीति के बदलते मिज़ाज को समझने के लिए बेहद अहम साबित हुए हैं। ये नतीजे सिर्फ किसी एक नगर निगम या राज्य की राजनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे राष्ट्रीय राजनीति के भविष्य की दिशा की ओर भी इशारा करते हैं। इन चुनावों ने साफ कर दिया है कि अस्मिता की सियासत अब भी भारतीय लोकतंत्र का अहम हिस्सा है, लेकिन उसकी एक सीमा है। जब उसके सामने विकास का स्पष्ट रोडमैप, प्रशासनिक स्थिरता और सुशासन का भरोसा रखा जाता है, तो मतदाता प्राथमिकता बदलने से नहीं हिचकते। बीएमसी के चुनाव नतीजे बताते हैं कि भारतीय राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का राजनीतिक विस्तार लगातार बढ़ता जा रहा है। भाजपा धीरे-धीरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस कथन को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी का लक्ष्य पंचायत से लेकर संसद तक हर चुनाव जीतने का होना चाहिए। भले ही भाजपा आज देश के सभी राज्यों में सत्ता में न हो और न ही उसने हर जगह नगरीय निकाय चुनावों में पूर्ण विजय हासिल की हो, लेकिन यह तथ्य अनदेखा नहीं किया जा सकता कि फिलहाल वह लगभग 20 राज्यों में या तो अकेले या फिर गठबंधन के माध्यम से सत्ता में है।

नगरीय निकाय चुनाव और भाजपा का प्रदर्शन

महाराष्ट्र के नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा ने ऐसा कोई तूफानी प्रदर्शन नहीं किया कि दूसरे दलों या गठबंधनों का पूरी तरह सूपड़ा साफ हो जाए, लेकिन 29 निकाय चुनावों में उसकी सफलता का स्तर लगभग उसी अनुपात में रहा, जिस अनुपात में उसकी केंद्र और राज्य की सत्ता में भागीदारी है। यह संकेत देता है कि मतदाता सत्ता में बैठे दल को स्थानीय स्तर पर भी आज़माने को तैयार है, बशर्ते उसे स्थिरता और विकास की उम्मीद दिखे। बीएमसी चुनाव कई कारणों से बेहद अहम बन गए थे। पहला कारण यह था कि मुंबई, जो देश की आर्थिक राजधानी है, देश की सबसे उलझी हुई और जटिल शहरी सियासत की जंग का मैदान बन चुकी थी। यहां न केवल पारंपरिक राजनीतिक समीकरण टूटे, बल्कि ऐसे-ऐसे अभूतपूर्व गठबंधन बने, जिनकी कुछ समय पहले तक कल्पना भी मुश्किल थी।

गठबंधनों की अजीबो-गरीब तस्वीर

सबसे बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का साथ आना था। दशकों से कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहे ठाकरे बंधु—उद्धव और राज—एक बार फिर एक मंच पर दिखाई दिए। मराठी अस्मिता और बालासाहेब ठाकरे की विरासत को केंद्र में रखकर इस गठबंधन ने मतदाताओं को आकर्षित करने की भरपूर कोशिश की। इन नए समीकरणों का असर यह हुआ कि कांग्रेस ने महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) से अलग होकर वंचित बहुजन अघाड़ी के साथ गठबंधन कर लिया। कांग्रेस को उम्मीद थी कि इस गठबंधन के जरिए वह दलित और मुस्लिम मतों को एकजुट कर सकेगी और भले ही पूर्ण बहुमत न मिले, लेकिन 2017 के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन जरूर करेगी। दूसरी ओर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) ने महायुति से बाहर होकर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया। वहीं भाजपा और शिव सेना (एकनाथ शिंदे) ने अपना गठबंधन बनाए रखा, हालांकि दोनों दलों के बीच संगठनात्मक वर्चस्व को लेकर अंदरूनी सियासी खींचतान भी साफ नजर आई। इन तमाम नए और उलझे हुए समीकरणों के बीच मतदाताओं के सामने विकल्प चुनना आसान नहीं था।

नतीजे और आंकड़ों की सियासत

कुल 2869 सीटों पर हुए चुनावों में अकेली भाजपा ने 1420 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली। शिव सेना (शिंदे गुट) ने 375 सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस 329 सीटों के साथ तीसरे नंबर पर रही, जबकि उसकी गठबंधन सहयोगी वंचित बहुजन अघाड़ी को 40 सीटें मिलीं। ठाकरे बंधुओं के गठबंधन में उद्धव ठाकरे की शिव सेना को 175 सीटें मिलीं, जबकि राज ठाकरे की मनसे महज 13 सीटों पर सिमट गई। अकेले चुनाव लड़ने वाली अजित पवार की एनसीपी को 160 सीटें मिलीं, जो एक सम्मानजनक प्रदर्शन माना जा सकता है। इसके विपरीत, शरद पवार की एनसीपी का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा और उसे सिर्फ 40 सीटों से संतोष करना पड़ा। 29 में से 25 नगर परिषदों में भाजपा या तो अकेले या अपने सहयोगियों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। इनमें से 15 नगर परिषदों में भाजपा ने अपने दम पर बहुमत हासिल किया। ये आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि पार्टी का सांगठनिक ढांचा और चुनावी मशीनरी स्थानीय स्तर पर भी मजबूत होती जा रही है।

बीएमसी: सत्ता, सियासत और संदेश

बीएमसी चुनावों ने महाराष्ट्र की राजनीति के एक ऐसे जटिल फॉर्मेट को उजागर किया, जिसमें लगभग हर दल किसी न किसी के साथ भी था और किसी न किसी के खिलाफ भी। सबसे अनोखा और चर्चित घटनाक्रम उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का पुनर्मिलन रहा। वर्षों की कटुता भुलाकर दोनों भाजपा–शिंदे गठबंधन के खिलाफ एकजुट हुए, लेकिन साझा रैलियों और मराठी अस्मिता के तीखे नारों के बावजूद वे भाजपा-शिंदे गठबंधन के गणित को बिगाड़ने में नाकाम रहे। यहां यह भी ध्यान देने योग्य है कि बीएमसी भारत का सबसे अमीर नगर निगम है, जिसका सालाना बजट 70 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक है। दशकों तक इस नगर निगम पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिव सेना का दबदबा रहा, लेकिन इस बार के नतीजों ने उस वर्चस्व पर सवालिया निशान लगा दिया है। यूबीटी शिव सेना ने बीएमसी की कुल 227 सीटों में से 65 सीटें जरूर जीतीं, लेकिन उसकी सहयोगी मनसे के बेहद कमजोर प्रदर्शन ने इस गठबंधन को नुकसान पहुंचाया। मनसे महज 6 सीटें ही जीत सकी। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या ठाकरे बंधुओं का यह गठबंधन भविष्य में भी जारी रहेगा या फिर यह सिर्फ बीएमसी चुनाव तक सीमित एक रणनीतिक समझौता था।

कांग्रेस का लगातार सिकुड़ता आधार

बीएमसी चुनावों में कांग्रेस को जो झटका लगा, वह उसके लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक पतन और फिर से उठ खड़े होने में उसकी असमर्थता को ही रेखांकित करता है। बीएमसी में कांग्रेस को इस बार केवल 24 सीटें मिलीं, जबकि 2017 के चुनाव में उसने 31 सीटें जीती थीं। अगर इतिहास पर नजर डालें तो तस्वीर और भी चिंताजनक दिखती है। 2007 में कांग्रेस ने बीएमसी में 75 सीटें जीती थीं, जो 2012 में घटकर 52 और 2017 में 31 रह गईं। कांग्रेस को उम्मीद थी कि वंचित बहुजन अघाड़ी के साथ गठबंधन के जरिए वह दलित और मुस्लिम वोटों को एक मंच पर ला सकेगी और अपनी खोई हुई जमीन कुछ हद तक वापस पा सकेगी, लेकिन यह रणनीति अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकी। इससे साफ होता है कि केवल सामाजिक गठजोड़ अब चुनावी सफलता की गारंटी नहीं रह गए हैं।

अस्मिता बनाम विकास की बहस

इन चुनावों का सबसे बड़ा संदेश यह रहा कि मतदाताओं ने मराठी अस्मिता की आक्रामक राजनीति को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। गैर-मराठी मतदाताओं, खासकर उत्तर भारतीयों और अन्य समुदायों ने भाजपा–शिंदे गठबंधन को प्राथमिकता दी, क्योंकि यह गठबंधन मराठी मानुष, उत्तर भारतीय और दूसरे समुदायों के बीच संतुलन बनाने में अपेक्षाकृत सफल रहा। इसका यह मतलब नहीं है कि अस्मिता की राजनीति पूरी तरह अप्रासंगिक हो गई है। जिस समाज में मतदाता अपनी मौलिक पहचान—जैसे जाति, क्षेत्र, धर्म और भाषा—को अहम मानते हैं, वहां अस्मिता की सियासत बनी रहेगी। सियासी दल भी इन पहचानों के जरिए मतदाताओं को जोड़ने की कोशिश करते रहेंगे। लेकिन इन पहचानों से मिलने वाले राजनीतिक लाभों की भी एक सीमा होती है।

गठबंधन की भूमिका और उसकी सीमाएं

महाराष्ट्र के निकाय चुनाव यह भी बताते हैं कि बहुदलीय मुकाबलों में गठबंधन की भूमिका बेहद अहम होती है।

सिस्टम फेल से जानलेवा हादसे तक: जांच समितियों की राजनीति, भ्रष्टाचार की जड़ें और त्वरित जवाबदेही की अनिवार्य जरूरत

-हादसों के बाद टालमटोल, अनसुनी रिपोर्टें और जवाबदेही से बचता प्रशासन लोकतंत्र के लिए खतरा बनता गया

देश में हर बड़ी दुर्घटना के बाद एक ही दृश्य बार-बार दोहराया जाता है—शोक संदेश, मुआवज़े की घोषणा, जांच समिति का गठन और फिर लंबा सन्नाटा। सिस्टम की नाकामी के नजारे आज हर तरफ़ दिखाई दे रहे हैं, लेकिन जवाबदेही तय करने की इच्छाशक्ति कहीं नज़र नहीं आती। हाल ही में चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने 33 साल पुरानी वोहरा कमेटी रिपोर्ट के निष्कर्षों को दोहराते हुए जो टिप्पणी की, वह इस पूरे तंत्र की सड़ांध को एक बार फिर उजागर करती है। उन्होंने साफ़ कहा कि बिल्डर-माफिया और नौकरशाहों की सांठ-गांठ के कारण अवैध निर्माण फले-फूले और उसी का नतीजा है कि चंडीगढ़ की सुखना झील तक संकट में है। यह टिप्पणी केवल एक शहर या एक झील तक सीमित नहीं है। नोएडा स्पोर्ट्स सिटी के गड्ढे में गिरकर एक युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत, गोवा के कलंगुट इलाके में भीषण अग्निकांड से 25 लोगों की जान जाना, और देश के सबसे 'स्वच्छ' कहे जाने वाले शहर इंदौर में दूषित पानी से 25 मौतें—ये सभी घटनाएं एक ही सवाल उठाती हैं: जब सिस्टम के गुनहगार खुलेआम दिख रहे हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं होती?

जांच समितियों की थकाऊ संस्कृति

हर हादसे के बाद एसआईटी या न्यायिक जांच की घोषणा कर दी जाती है। फाइलें खुलती हैं, बयान दर्ज होते हैं, रिपोर्ट तैयार होती है और फिर वही रिपोर्ट सरकारी अलमारियों में धूल खाती रहती है। लोगों में गुस्सा इसलिए नहीं है कि जांच हो रही है, बल्कि इसलिए है कि जांच के नाम पर कार्रवाई को टाला जा रहा है। निलंबन, स्थानांतरण और कभी-कभार गिरफ्तारी से आगे बढ़कर ठोस सुधार शायद ही देखने को मिलते हैं। अब वक्त आ गया है कि जवाबदेही को केवल 'प्रक्रिया' न माना जाए, बल्कि उसे परिणाम से जोड़ा जाए। इसके लिए कम से कम चार बुनियादी मोर्चों पर गंभीर कार्रवाई जरूरी है।

स्मार्ट सिटी का भ्रम और जमीनी हकीकत

भारत में स्मार्ट सिटी की चर्चा बड़े गर्व के साथ की जाती है। दावोस के विश्व आर्थिक फोरम में उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रेटर नोएडा में डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 2.27 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए। नोएडा के पास ही 29,650 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है। साल 2015 में 100 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 2.3 लाख करोड़ रुपये की योजना बनाई गई थी। काग़ज़ों पर तस्वीर शानदार है, लेकिन ज़मीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा स्थित अबूझमाड़ क्षेत्र में बाढ़ से क्षतिग्रस्त 23 पुलियों की तत्काल मरम्मत के लिए फंड नहीं है। नतीजा यह कि 100 गांवों के लगभग एक लाख लोगों का रोज़मर्रा का आवागमन ठप पड़ा है। दूसरी तरफ़ देश की जीडीपी में 60 प्रतिशत योगदान देने वाले शहरी इलाकों को कवर करने वाली नगर पालिकाएं अपनी 40 प्रतिशत से ज्यादा ज़रूरतों के लिए सरकारी मदद पर निर्भर हैं। नगर निकायों के पास कर्मचारियों के वेतन, कचरा उठान, जल आपूर्ति और सड़कों के रख-रखाव तक के लिए पैसे नहीं हैं। नोएडा जैसे हाईटेक शहरों में टेक्नोलॉजी एक्सपो आयोजित होते हैं, ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्मार्ट सिस्टम का ढोल पीटा जाता है, लेकिन आपदा प्रबंधन के मॉकड्रिल सिर्फ दिखावे तक सीमित रहते हैं। हकीकत यह है कि जब असली हादसा होता है, तो ड्रोन, गोताखोर, नाव, लाइफ जैकेट, प्रशिक्षित स्टाफ और स्पष्ट एक्शन प्लान—सब कुछ नदारद होता है।

भ्रष्टाचार: शहरों की सबसे बड़ी बीमारी

दिल्ली में कूड़े के पहाड़ अब केवल प्रदूषण का मुद्दा नहीं रहे, बल्कि राष्ट्रीय शर्मिंदगी का प्रतीक बन चुके हैं। दिल्ली नगर निगम का सालाना बजट लगभग 16,530 करोड़ रुपये है, लेकिन सीवर लाइन और नालों को दुरुस्त करने के लिए 57 हजार करोड़ रुपये की मांग की जा रही है। सवाल यह है कि अब तक खर्च हुआ पैसा गया कहां? पार्षद निधि को दो करोड़ रुपये सालाना करने की चर्चा हो रही है, लेकिन जवाबदेही का कोई ठोस ढांचा नहीं दिखता। मुंबई में 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट वाली बीएमसी पर राजनीतिक कब्जे की लड़ाई किसी से छुपी नहीं है। पार्षदों को पांच सितारा होटलों में ठहराकर समर्थन जुटाया जाता है, जबकि आम नागरिक पानी, सफाई और सीवर जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसता रहता है। नेताओं और अफसरों के पास न तो स्पष्ट विज़न दिखता है, न ईमानदार प्रयास और न ही वास्तविक इच्छाशक्ति। भ्रष्टाचार यहां किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की आदत बन चुका है।

ऑडिट रिपोर्ट: अनसुनी चेतावनियां

इंदौर में दूषित पानी से होने वाली मौतों के बारे में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने 2019 में ही चेतावनी दे दी थी। इसी तरह नोएडा स्पोर्ट्स सिटी घोटाले का विवरण सीएजी की 2021 की रिपोर्ट में मौजूद है। बिल्डरों और नेताओं की मिलीभगत से प्लॉटिंग को कई टुकड़ों में बांटकर सरकार को लगभग 9 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। नोएडा में बिल्डर-बैंक माफिया की सांठ-गांठ और प्राधिकरण अधिकारियों की संपत्ति की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कई आदेश पारित किए, लेकिन ज़मीनी कार्रवाई आज भी अधूरी है। सीएजी की रिपोर्ट पर नौकरशाही की चुप्पी अब पांच साल पुरानी हो चुकी है। हैरानी की बात यह है कि बड़े घोटालों पर कोई ठोस कदम नहीं उठता, लेकिन छोटे मामलों में 'छुटभैये' बिल्डरों के खिलाफ तुरंत मुकदमे दर्ज कर लिए जाते हैं। नोएडा प्राधिकरण को तो हादसे वाले भूखंड के स्वामित्व की पूरी जानकारी तक नहीं थी। यह दोहरा रवैया सिस्टम की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

जवाबदेही: आंकड़ों से सबक क्यों नहीं?

विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार दिल्ली में पिछले दो वर्षों में सीवर और नालों में डूबने से 89 लोगों की मौत हुई है। इसके बावजूद व्यवस्था में कोई बुनियादी सुधार नहीं किया गया। नोएडा का मामला इसलिए ज्यादा सुर्खियों में आया, क्योंकि एक युवक को बचाने में पुलिस, दमकल विभाग, एनडीआरएफ और यहां तक कि एयरफोर्स तक ढाई घंटे तक नाकाम रही।

कभी खत्म मानी गई माइक्रोसॉफ्ट कैसे बनी फिर से टेक दुनिया की सबसे ताकतवर और सबसे मूल्यवान कंपनी

-मोबाइल में पिछड़ने से लेकर क्लाउड, एआई और ग्लोबल लीडर बनने तक माइक्रोसॉफ्ट की वापसी की कहानी

एक दौर था जब तकनीक की दुनिया में माइक्रोसॉफ्ट का मतलब ही कंप्यूटर होता था। विंडोज़ ऑपरेटिंग सिस्टम, एमएस ऑफिस और इंटरनेट एक्सप्लोरर — हर जगह माइक्रोसॉफ्ट का राज था। लेकिन फिर ऐसा समय आया जब यही कंपनी पुरानी, सुस्त और अप्रासंगिक कहे जाने लगी। 2000 के दशक में कई टेक विशेषज्ञों ने यहां तक कह दिया कि माइक्रोसॉफ्ट अब इतिहास बनने वाली है। आज वही माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की सबसे मूल्यवान और प्रभावशाली टेक कंपनियों में गिनी जाती है। सवाल यह है कि ऐसी क्या गलती हुई कि माइक्रोसॉफ्ट गिरावट में चली गई, और फिर कैसे उसने खुद को दोबारा खड़ा किया? यह लेख उसी पूरी यात्रा की कहानी है — घमंड से गिरावट तक, और समझदारी से वापसी तक।

जब माइक्रोसॉफ्ट को "आउट ऑफ डेट" कहा गया

साल 2007 में मशहूर अमेरिकी प्रोग्रामर और निवेशक पॉल ग्राहम (Paul Graham) ने एक चर्चित लेख लिखा। लेख का सार यह था कि — "गूगल और वेब-आधारित सेवाओं के दौर में माइक्रोसॉफ्ट अब अप्रासंगिक हो चुकी है। लोग उससे नफरत नहीं कर रहे, बल्कि उसे नजरअंदाज़ कर रहे हैं।" यह बात माइक्रोसॉफ्ट के लिए सबसे खतरनाक थी, क्योंकि नफरत से ज्यादा खतरनाक होता है — अनदेखा किया जाना।

शेयर बाज़ार ने भी दिया गिरावट का संकेत

दिसंबर 1999 में माइक्रोसॉफ्ट का शेयर करीब 38 डॉलर था, लेकिन 2012 के अंत तक भी यह शेयर 26–30 डॉलर के बीच ही घूमता रहा, यानी 13 साल तक निवेशकों को कोई खास रिटर्न नहीं मिला। टेक इंडस्ट्री में यह किसी भी दिग्गज कंपनी के लिए खतरे की घंटी थी।

मोबाइल क्रांति और माइक्रोसॉफ्ट की सबसे बड़ी चूक

2000 के दशक की शुरुआत में विंडोज़ मोबाइल का बाज़ार में अच्छा दबदबा था। लेकिन फिर आया 2007 में आईफोन — और यहीं से खेल पलट गया। तत्कालीन सीईओ स्टीव बाल्मर ने आईफोन का मज़ाक उड़ाया था। उन्होंने कहा था कि — "यह फोन बिज़नेस यूज़र्स को पसंद नहीं आएगा।" यह बयान इतिहास की सबसे बड़ी रणनीतिक गलतियों में गिना जाता है। नतीजा क्या हुआ? 2008 में एंड्रॉयड आया, 2010 के बाद स्मार्टफोन दुनिया पूरी तरह बदल गई, 2013 तक मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम में माइक्रोसॉफ्ट की हिस्सेदारी 3% से भी कम रह गई, मोबाइल क्रांति को हल्के में लेना माइक्रोसॉफ्ट को भारी पड़ा।

चार बड़े कारण, जिनसे माइक्रोसॉफ्ट कमजोर हुई

मोबाइल क्रांति को नज़रअंदाज़ करना: जब दुनिया मोबाइल की ओर बढ़ रही थी, माइक्रोसॉफ्ट अब भी डेस्कटॉप सोच में फंसी रही।

इंटरनेट एक्सप्लोरर की सुस्ती: 90 के दशक में ब्राउज़र मार्केट पर राज करने वाला इंटरनेट एक्सप्लोरर — धीमा था सुरक्षा कमजोर थी, नए फीचर्स की कमी थी, यूजर्स तेजी से फायरफॉक्स और क्रोम की ओर चले गए।

विंडोज़ विस्टा की विफलता: विंडोज़ XP के बाद आई विंडोज़ विस्टा: बहुत भारी थी, हार्डवेयर से तालमेल नहीं बैठा, यूज़र्स ने इसे नकार दिया, इससे ग्राहकों का भरोसा डगमगा गया।

कानूनी विवादों में उलझना: 2000 के शुरुआती सालों में माइक्रोसॉफ्ट पर — अमेरिका, यूरोप में एकाधिकार (Monopoly) के गंभीर मुकदमे चले। कंपनी का ध्यान नवाचार से ज्यादा कोर्ट-कचहरी में उलझ गया।

2012–13: माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बुरा दौर

साल 2012–13 माइक्रोसॉफ्ट के इतिहास का सबसे मुश्किल दौर था। विंडोज़ 8 फ्लॉप रही, नोकिया का अधिग्रहण एक बड़ी गलती साबित हुआ, मोबाइल हार्डवेयर में कंपनी पूरी तरह असफल रही, अरबों डॉलर का नुकसान हुआ, इसी दौर में सीईओ स्टीव बाल्मर को इस्तीफा देना पड़ा। लग रहा था कि माइक्रोसॉफ्ट अब सच में पिछड़ चुकी है।

फिर आया बदलाव का चेहरा: सत्य नडेला

साल 2014 में माइक्रोसॉफ्ट की कमान संभाली सत्य नडेला ने। यहीं से शुरू हुई कंपनी की ऐतिहासिक वापसी। "क्लाउड फर्स्ट, मोबाइल फर्स्ट" विज़न नडेला ने साफ कहा —"माइक्रोसॉफ्ट अब सिर्फ विंडोज़ कंपनी नहीं रहेगी।" उन्होंने Azure क्लाउड को कंपनी का भविष्य बनाया। आज: Azure दुनिया के सबसे बड़े क्लाउड प्लेटफॉर्म्स में से एक है दुनिया की 95% Fortune 500 कंपनियां माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड का इस्तेमाल करती हैं

दुश्मनी छोड़कर सहयोग की नीति

सत्य नडेला ने माइक्रोसॉफ्ट की पुरानी जिद तोड़ी। ऑफिस ऐप्स आईफोन और एंड्रॉयड पर लॉन्च किए Linux को अपनाया (जिसे कभी "कैंसर" कहा गया था) ओपन-सोर्स डेवलपर्स के साथ सहयोग बढ़ाया यह बदलाव माइक्रोसॉफ्ट की सोच में क्रांति जैसा था।

बड़े और समझदारी भरे अधिग्रहण

माइक्रोसॉफ्ट ने रणनीतिक अधिग्रहण किए: LinkedIn – प्रोफेशनल नेटवर्क. GitHub – डेवलपर्स का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म, Minecraft – गेमिंग और युवा यूज़र बेस, इनसे कंपनी को — डेटा, टैलेंट, कम्युनिटी, तीनों में जबरदस्त ताकत मिली।

AI की रेस में माइक्रोसॉफ्ट सबसे आगे

माइक्रोसॉफ्ट ने OpenAI में अरबों डॉलर का निवेश किया। आज: ChatGPT, Copilot, AI आधारित ऑफिस टूल्स, माइक्रोसॉफ्ट को AI क्रांति का नेता बना चुके हैं।

आज की माइक्रोसॉफ्ट: आंकड़ों में ताकत

कंपनी का मूल्य: 305 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा शेयर कीमत: 450 डॉलर से ऊपर 200+ देशों में संचालन भारत में 20,000+ कर्मचारी भारत में 1.45 लाख करोड़ रुपये निवेश की घोषणा

माइक्रोसॉफ्ट नाम का मतलब

Micro + Soft = Microcomputer Software: कंपनी की नींव: 4 अप्रैल 1975, बिल गेट्स और पॉल एलन, लक्ष्य: "हर घर और हर डेस्क पर एक कंप्यूटर" IBM के साथ MS-DOS डील ने माइक्रोसॉफ्ट को नई ऊंचाई दी।

राज्य सरकार हर कदम पर विद्यार्थियों और युवाओं के साथ खड़ी - भजनलाल शर्मा

-बसंत पंचमी पर 75 लाख विद्यार्थियों ने की सामूहिक सरस्वती वंदना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। देश-प्रदेश की तरक्की में युवाओं की निर्णायक भूमिका है। युवा देश के वर्तमान भी हैं और भविष्य भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर कदम पर प्रदेश के विद्यार्थियों और युवाओं के साथ खड़ी है। वे पूरी लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करें, नवाचार करें और योजनाओं का लाभ उठाकर अपने सपनों को साकार करें। उन्होंने इस दौरान राजकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए जयपुर में विदेशी भाषा संचार कौशल स्कूल खोलने की घोषणा भी की।

शर्मा शुक्रवार को बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर कॉमर्स कॉलेज में आयोजित सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा पीटीएम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बसंत पंचमी की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व नवचेतना, नवसृजन और नवसंकल्प का प्रतीक है। प्रदेश में 75 लाख विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना कर शिक्षा की देवी को नमन किया गया है। उन्होंने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज की स्थापना कर देश की आजादी में योगदान दिया।

युवाओं का सशक्तीकरण राज्य सरकार की प्राथमिकता-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं की शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के लिए अनेक तरह के प्रोत्साहन दे रही है। 1 लाख से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं और विभिन्न संवर्गों के 1 लाख 43 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन हैं और एक लाख सरकारी पदों की भर्ती परीक्षा का कैलेण्डर जारी किया गया है। निजी क्षेत्र में करीब ढाई लाख युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 71 नए राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना, संभाग स्तर पर युवा साथी केंद्र की स्थापना, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन जैसे कार्य किए गए हैं। साथ ही, युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए राजस्थान युवा नीति, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, युवाओं को कौशल प्रशिक्षण तथा इंटर्नशिप, 65 आई-स्टार्टअप लॉन्चपैड नेस्ट स्थापना, 658 स्टार्टअप्स को करीब साढ़े 22 करोड़ रुपये की सहायता जैसे निर्णय लिए गए हैं।

मेगा पीटीएम के माध्यम से राजस्थान के शिक्षा क्षेत्र को मिलेगी नई दिशा-

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हमारी सरकार निरंतर नई नीतियों, योजनाओं और नवाचारों पर कार्य कर रही है। मेगा पीटीएम के माध्यम से भी राजस्थान को शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा मिलेगी। साथ ही, इसके माध्यम से शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी तीनों के बीच विश्वास और सहयोग की मजबूत कड़ी स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि सभी राजकीय विद्यालयों में कृष्णभोग का आयोजन हुआ है। यह पहल सामूहिक सहभागिता, आत्मीयता और सकारात्मक वातावरण और अधिक सुदृढ़ करती है। उन्होंने कहा कि निपुण राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों की पठन, लेखन एवं गणना क्षमता को गतिविधियों, प्रदर्शनों और सहभागिता के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है।

समाज का नेतृत्व कर रही बेटियां-

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। राज्य सरकार बालिकाओं के जन्म से लेकर उन्हें सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन देने के लिए हर कदम पर उनके साथ है। लाडो प्रोत्साहन योजना, बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल, 1 लाख 64 हजार महिलाओं एवं बालिकाओं को निःशुल्क बेसिक कम्प्यूटर शिक्षा, अकाउंट और इंग्लिश स्पोकन जैसे प्रशिक्षण, मुख्यमंत्री नारी शक्ति कौशल सामर्थ्य जैसी योजनाओं से महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।

विद्यार्थी नींव को करें मजबूत ताकि भविष्य में भर सकें ऊंची उड़ान-

शर्मा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में असाधारण क्षमता छिपी होती है। उसे पहचानिए और मेहनत, अनुशासन तथा मूल्यों के साथ आगे बढ़िए। उन्होंने कहा कि माता-पिता और शिक्षक दुनिया की सबसे मजबूत टीम है जो विद्यार्थी की जीत के लिए काम कर रहे है। कभी-कभी इनकी बातें विद्यार्थियों को अनुशासन का बोझ लग सकती हैं लेकिन वे आपकी नींव को मजबूत कर रहे हैं ताकि विद्यार्थी भविष्य में ऊंची उड़ान भर सकें। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा को खुद पर हावी नहीं होने दें। हमारी असली प्रतिस्पर्धा खुद से होनी चाहिए। शिक्षक मार्गदर्शक, प्रेरक और मेंटर होते हैं। उनकी भूमिका केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं है। वे एक आत्मनिर्भर राष्ट्र की नींव तैयार करने में अहम कड़ी होते हैं।

चित्रकला कार्यशाला का मकसद मतदाताओं को जागरूक कर लोकतंत्र को मजबूत करना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान एवं राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में चित्रकला कार्यशाला का आयोजन जवाहर कला केन्द्र की चतुर्दिक कला दीर्घा में शुक्रवार को किया गया। इस चित्रकला कार्यशाला का उद्घाटन जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चित्रकला कार्यषाला आयोजित करने का मकसद मतदाताओं को जागरूक कर लोकतंत्र को मजबूत करना हैं।

राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, जयपुर के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार खण्डेलवाल ने बताया कि प्रत्येक राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर यह चित्रकला कार्यशाला राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा महाविद्यालय के सहयोग से प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। इस प्रतियोगिता में इस वर्ष राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइन के 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों ने निर्वाचन विभाग द्वारा दी गयी थीम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आधारित चित्र बनाये। इस कार्यशाला के संयोजक पंकज यादव, सहायक आचार्य ने बताया कि सर्वश्रेष्ठ 10 कृतियों को माननीय जिला मजिस्ट्रेट महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया। सभी चित्र दिनांक 25.01.2026 को 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर, जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदर्शित किये जायेगे, जिसका उद्घाटन एवं अवलोकन महामहिम राज्यपाल श्रीमान हरिभाऊ बागडे द्वारा किया जायेगा। इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ से नियुक्त नोडल अधिकारी श्रीमती संघमित्रा बरडिया, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, बगरू एवं सहायक नोडल अधिकारी बजरंग लाल स्वामी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, आमेर भी उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

जयपुर ग्रामीण सांसद ने एनएचएआई के अधिकारियों की बैठक ली

-विकास कार्यों को लेकर सख्त दिशा निर्देश दिए

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने लोकसभा क्षेत्र में एनएचएआई के विकास कार्यों को लेकर क्षेत्रीय अधिकारी व प्रोजेक्ट डायरेक्टर की बैठक लेते हुए एनएच - 48 (जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे), एनएच-148 (मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे), एनएच-248 (जयपुर-चंदवाजी नेशनल हाईवे), एनएच - 248A (अलवर तिराहे-विराटनगर नेशनल हाईवे) से जुड़े कई महत्वपूर्ण विकास विषयों पर विस्तार से चर्चा कर निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग, एनएचएआई सहित अन्य प्रमुख विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समय - सीमा में पूर्ण करने के दिशा - निर्देश दिए, जिससे जयपुर ग्रामीण एवं प्रदेश की आधारभूत संरचना को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाया जा सके।

भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि शाहपुरा पुलिया के कार्य की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए, ताकि आमजन को अधिकतम सुविधा और बेहतर परिवहन सुविधा प्राप्त हो सके। जयपुर ग्रामीण एवं प्रदेश की जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप, व्यावहारिक तथा समय-सीमा में पूर्ण किए जा सकने वाले विकास कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र प्रेषित किए जाएँ, ताकि जयपुर ग्रामीण एवं प्रदेश का समग्र और संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके।

समर्पण संस्था द्वारा 77वें गणतन्त्र दिवस पर गणतंत्र दिवस समारोह व संवैधानिक मूल्यों पर विचार गोष्ठी 26 को

-संस्था पदाधिकारियों ने किया पोस्टर का विमोचन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा 77वें गणतन्त्र दिवस पर गणतंत्र दिवस समारोह व "संवैधानिक मूल्यों का क्षरण और उन्हें बचाने में सामान्य नागरिक की भूमिका " विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन 26 जनवरी को संस्था के निर्माणाधीन समर्पण आश्रय केयर भवन , प्लॉट नम्बर- 30, लक्ष्मी विहार प्रथम, मैन साँभरिया रोड़, फालियावास मोड़ (टीबा, सिन्दौली) जयपुर मे प्रात: 10:30 से दोपहर 1 :00 बजे तक किया जायेगा । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश व केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के लोकपाल पृथ्वीराज होंगे तथा अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईआरएस व भरतपुर नगर निगम के पूर्व महापौर अभिजीत कुमार करेंगे। विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता दीपक महान (वृतचित्र निर्देशक, स्वतंत्र टिप्पणीकार, शिक्षाविद व लेखक) होंगे । विशेष आमंत्रित अतिथि प्रमोद कुमार चौरडिया जैन (संस्थापक अध्यक्ष, मानव मिलन संस्थान व प्रधान मुख्य संरक्षक, समर्पण संस्था) रहेंगे । इस अवसर पर अनेक गणमान्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में प्रातः 10:30 बजे मुख्य अतिथि द्वारा समर्पण आश्रय केयर भवन प्रांगण में अन्य अतिथियों, संस्था पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ झंडा फहराया जाएगा और विचार गोष्ठी होगी । समारोह के पोस्टर का विमोचन संस्था कार्यालय में संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सी एल वर्मा, उपाध्यक्ष रमेश कुमार बैरवा, उपाध्यक्ष हीरालाल बैरवा, विशिष्ट सदस्य रमेश कुमार बैरवा ने किया।

बच्चों में जन्मजात हृदय रोग प्रबंधन पर हितधारकों की बैठक

-प्रदेश में चाइल्ड हर्ट डिजीज रजिस्ट्री तथा टू-डी ईको सेवाओं का होगा विस्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए चाइल्ड हर्ट डिजीज रजिस्ट्री स्थापित करने, रीजनल सीएचडी हब विकसित करने एवं टू-डी ईको सेवाओं का विस्तार करने सहित तकनीकी सुविधाओं को और सुदृढ करने के कदम उठाए जाएंगे। बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों की पहचान, प्रबंधन, उपचार एवं नियमित फोलोअप विषय पर शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में हितधारकों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में इस संबंध में चर्चा की गयी। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव ने बताया कि केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के साथ ही राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नवजात एवं बच्चों में हृदय रोग सहित अन्य रोगों के उपचार के प्रबंधन को लगातार मजबूत किया गया है। वर्ष 2024-25 में 468 जन्मजात हृदय रोगों से ग्रस्त बच्चों को दवाईयों से ईलाज किया गया एवं 355 बच्चों की सर्जरी कर उपचार किया गया। इसी प्रकार 2025-26 में दिसम्बर तक 262 बच्चों को दवाईयों एवं 304 को सर्जरी सेवाएं प्रदान की गयी। इससे बड़ी संख्या में जटिल रोगों से ग्रस्त बच्चों की जीवन बचाना संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि हाल ही में जेके लोन अस्पताल में आरबीएसके के माध्यम से 20 करोड़ की लागत से सीवीटीएस सर्जरी ईकाई प्रारम्भ की गयी है। जिसमें हृदय रोगों के उपचार के लिए अत्याधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रदेश के अन्य अस्पतालों में भी ऐसी सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि बच्चों में हर्ट संबंधी जन्मजात विकृति की शीघ्र पहचान एवं रेफरल-उपचार सेवाओं की सुदढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बड़े शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बच्चों को जन्मजात हृदय रोगों से बचाने और समय पर उपचार के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर समन्वित प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में बच्चों में हृदय रोग की शीघ्र पहचान एवं उपचार के लिए कार्यरत संस्था चिल्ड्रन हर्ट लिंक के भारत एवं यूएसए के प्रतिनिधियों ने केरल सहित दुनिया के विभिन्न देशों में चाइल्ड हर्ट डिजीज स्क्रीनिंग एवं रेफरल मॉडल के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान की। संस्था की प्रतिनिधि बिस्ला झेलेवा ने विभिन्न देशों के अनुभव साझा किए। उन्होंने राजस्थान में बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों की देखभाल के लिए पॉपुलेशन आधारित एप्रोच के साथ काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही इस संबंध में विजन 2040 के बारे में भी बताया। संस्था की इंडिया में प्रतिनिधि श्रीमती वीरालक्ष्मी राजशेखर ने संस्था के द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। साथ ही डॉ. किशन कुमार एवं डॉ श्रीहारी माधवकुट्टी नायर ने केरल में शिशु स्वास्थ्य के परिदृश्य एवं चिल्ड्रन हर्ट लिंक के साथ अपनाए गए मॉडल के बारे में विस्तार से बताया। परियोजना निदेशक बाल स्वास्थ्य एव आरबीएसके डॉ. प्रदीप चौधरी ने राजस्थान में बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के वर्तमान परिदृश्य एवं राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत इनकी शीघ्र पहचान, रेफरल और उपचार के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, यूनिसेफ, निपी सहित विभिन्न डवलमेंट पार्टनर्स के प्रतिनिगण उपस्थित रहे। सभी जोन के संयुक्त निदेशक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी, विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के स्त्री रोग, शिशु रोग एवं हृदय रोग विशेषज्ञ सहित संबंधित अधिकारीगण वीसी के माध्यम से जुड़े।

अवैध गैस रिफिलिंग एवं भंडारण के कारोबार का भंडाफोड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा संचालित "ऑपरेशन प्रवर्तन– सतर्क नागरिक, सुरक्षित शहर" अभियान के तहत अवैध गैस रिफिलिंग एवं भंडारण के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के आधार पर जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण ने तत्काल दो विशेष सतर्कता दलों का गठन कर जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग समय पर दबिश दी। कार्रवाइयों के दौरान कुल 48 घरेलू गैस सिलेंडर, 03 रिफिलिंग मशीन, 02 इलेक्ट्रॉनिक कांटे, 04 रिफिलिंग पाइप एवं 02 नोजल जब्त किए गए हैं। अवैध गतिविधियों में संलिप्त कुल 02 व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। सतर्कता दल "ए" द्वारा बंध्या मोड़, गोनेर रोड, लुनियावास जयपुर में कार्रवाई करते हुए मौके से अवैध गैस रिफिलिंग के दौरान 37 घरेलू गैस सिलेंडर, 02 इलेक्ट्रिक मोटर, 04 रिफिलिंग पाइप, 01 इलेक्ट्रिक कांटा, 02 नोजल सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए तथा इस प्रकरण में संलिप्त 01 व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसी क्रम में सतर्कता दल "बी" द्वारा प्लॉट नं. 57, गायत्री नगर, दुर्गापुरा जयपुर में दबिश देकर 11 घरेलू गैस सिलेंडर, 01 इलेक्ट्रिक मोटर मय रिफिलिंग नोजल पाइप एवं 01 इलेक्ट्रिक कांटा जब्त किया गया तथा यहां भी 01 व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आमजन की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त और निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

बलाई समाज छात्रावास में श्रद्धा से मनाई गई बसंत पंचमी

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा जयपुर साईवाड़ मोड स्थित राजस्थान बलाई विकास संस्थान द्वारा संचालित बलाई समाज छात्रावास समाज के संरक्षक गणपत वर्मा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. बी डी नैनावत के निर्देश पर परिसर में मां सरस्वती की आराधना और बसंत ऋतु के आगमन के पावन पर बसंत पंचमी मां सरस्वती प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं पूजा अर्चना की गई । इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ट उपाध्यक्ष सीताराम बुनकर ने अध्यनरत छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बसंतपंचमी केवल ऋतु परिवर्तन का पर्यावरण नहीं है यह हमारे जीवन में नई सोच नया उत्साह और नई शुरुआत का संदेश है जैसे बसंत में सुखी डालियां फिर से हरी हो जाती है। वैसे ही संघर्षों से थकान में भी फिर से चेहरे खिलाती है मां सरस्वती हमें यही सिखाती है की ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है और परिश्रम उसका सबसे सुंदर रूप है आज संकट संकल्प ले आने से आलस छोड़ेंगे और अधिक अपने लक्ष्य की और पूरी विश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे संस्थान के कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद बुनकर ने कहाब कि बसंत पंचमी भारतीय ज्ञान परंपरा का पर्व है। माता सरस्वती के उपासना से विद्यार्थियों के बौद्धिक प्रखरता एकाग्रता और नैतिक चेतन का विकास होता है इस अवसर पर सुनील कुमार वर्मा बनवारी लाल लाइनमैन लालचंद बुनकर मुकेश कुमार आदि छात्र उपस्थित थे।

किसानों, महिलाओं एवं श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है सरकार- मंजू शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केंद्र व राज्य सरकार किसानों, महिलाओं एवं श्रमिक वर्ग के सर्वांगीण कल्याण के लिए निरंतर और प्रभावी रूप से कार्य कर रही है। सरकार की नीतियों और योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाना है। यह कहना है जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा का। श्रीमती मंजू शर्मा ने यह बात शुक्रवार को हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान के भगवत सिंह मेहता सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री ने किसान, महिला और श्रमिकों को 1 हजार 590 करोड़ रुपये की सौगात दी है। किसानों की आय बढ़ाने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। इन योजनाओं से न केवल आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है, बल्कि सामाजिक सम्मान और सुरक्षा भी सुनिश्चित हो रही है। वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गोपाल शर्मा ने बताया कि सरकार के सतत प्रयासों से प्रदेश एवं देश में समावेशी विकास को नई गति मिलेगी और प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकेगा। इस अवसर पर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, तारबंदी योजना, फार्म पौण्ड योजना एवं कृषि यंत्र योजना के लाभार्थी किसानों को अनुदान राशि का चैक सौंपकर लाभांवित किया। समारोह में वीसी के माध्यम से सिरोही में आयोजित किसान सम्मान निधि के हस्तानान्तरण एवं ग्राम उत्थान शिविर के शुभारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्र में बड़ी तादाद में किसानों, महिलाओं एवं श्रमिकों ने भाग लिया। वहीं, अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर उत्तर मुकेश कुमार मूंड सहित सहकारिता विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, उद्यानिकी विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

टेंपो में भरकर जा रही 120 किलो प्लास्टिक जब्त, एक लाख का जुर्माना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के संकल्प के तहत नगर निगम जयपुर की स्वास्थ्य शाखा ने सख्त कार्रवाई करते हुए नियम तोड़ने वालों पर बड़ा प्रहार किया है। निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर स्वास्थ्य शाखा के विशेष दस्ते ने शुक्रवार को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान राजापार्क क्षेत्र में एक टैंपो में ले जाई जा रही करीब 120 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया। इस दौरान प्रतिबंध के बावजूद प्लास्टिक का उपयोग पाए जाने पर एक लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया गया। निगम की इस कार्रवाई से इलाके के व्यापारियों में हड़कंप मच गया। इसी क्रम में त्रिपोलिया बाजार स्थित मुरली पान भंडार का निरीक्षण किया गया, जहां सार्वजनिक स्थल पर गंदगी पाई गई। स्वच्छता नियमों की अवहेलना करने पर प्रतिष्ठान का 20 हजार रुपये का चालान किया गया। यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार के नेतृत्व में नगर निगम जयपुर की स्वास्थ्य शाखा द्वारा अंजाम दी गई। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक और गंदगी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आमजन एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें, स्वच्छता नियमों का पालन करें और स्वच्छ, सुंदर जयपुर के निर्माण में सहभागी बनें।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस:

डीआईपीआर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली मतदाता शपथ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मतदाता दिवस के पूर्व कार्यालय परिसर में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव राकेश शर्मा ने शुक्रवार को 16 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में विभागीय कार्मिकों को मतदाता शपथ दिलवाई और कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए मतदान का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है। मतदान करना केवल हमारा अधिकार ही नहीं बल्कि हमारा कर्तव्य भी है। सूचना एवं जनसंपर्क परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) एवं पदेन शासन उप सचिव गोरधन लाल शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मतदाता शपथ का वाचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हर वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाने वाला मतदाता दिवस हमें संवैधानिक अधिकार और लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखने की याद दिलाता है। शपथ ग्रहण के दौरान विभाग के संयुक्त निदेशक, मनमोहन हर्ष, उप निदेशक, विजय खण्डेलवाल, सहायक निदेशक, श्रीमती कविता जोशी, सहायक निदेशक, दयाशंकर शर्मा सहित विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

शहर के चर्चित कार्तिक हत्या कांड में आरोपी जमानत पर रिहा

-अधिवक्ता फिरोज खान ने की पैरवी

बारां (रॉयल पत्रिका)। थाना कोतवाली बारां ने फरियादी रामबाबू की रिपोर्ट पर अपने बेटे कार्तिक की हत्या का मामला दर्ज करवाया था, फरियादी ने अपने बेटे की हत्या में नरोत्तम प्रजापति, सुरेंद्र उर्फ सूर्या, गज्जू पांचाल, मनीष उर्फ बिट् शर्मा, सुनील पॉक्सी, तेजसिंह उर्फ तेजा, सावन खींची, आकाश प्रजापति, जितेश चंदेल, सहित कई अन्य पर आरोप लगाया था, जिसपर पुलिस ने 7.04.2024 को नरोत्तम, तेजा, रोहित बफ़ला, बिट् शर्मा, सुनील पॉक्सी के विरुद्ध चालान पेश किया, जिसपर अधिवक्ता फिरोज खान ने नरोत्तम , रोहित बाफला, तेज सिंह उर्फ तेजा, बिट् शर्मा, सुनील पॉक्सी की ओर से पैरवी की गई, शेष चालान पुलिस द्वारा 2025 में सुरेंद्र उर्फ सूर्या, शिवा नागर, दीपक प्रजापति, गज्जू पांचाल के विरुद्ध पेश कर बाकी सभी नाम तर्क किए गए, फरियादी द्वारा घटना में विष्णु गर्ग की गैंग द्वारा हत्या हत्या का आरोप लगाया, जिससे शहर में काफी सनसनी फैल गई थी। अधिवक्ता फिरोज खान द्वारा रोहित बाफला, मनीष उर्फ बिट्, तेज सिंह उर्फ तेजा, लक्की यादव की जमानत तस्दीक करा कर रिहाई कराई गई, वही इसी प्रकरण में राजस्था उच्च न्यायालय जयपुर द्वारा दिनांक 16.01.2026 को सुनील पॉक्सी ओर दीपक प्रजापति की जमानत मंजूर कर ली गई है अधिवक्ता फिरोज खान ने सुनील पॉक्सी की जमानत तस्दीक कराकर रिहाई सुनिश्चित कराई।

मानव चिल्ड्रन अकैडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बसंत पंचमी पर हवन का भव्य आयोजन

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। बींझबायला-48 एलएनपी स्थित मानव चिल्ड्रन अकैडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्यालय प्रांगण में विधि-विधान से हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान, संस्कार एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना रहा। हवन कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ की गई, जिसमें विद्यालय के निदेशक रंजीत शर्मा एवं प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी शर्मा ने आहुति अर्पित कर माँ सरस्वती से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना की गई तथा हवन कुंड में आहुतियाँ दी गईं। विद्यार्थियों ने अनुशासन एवं श्रद्धा के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। वातावरण भक्तिमय एवं शांति से परिपूर्ण रहा। प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि बसंत पंचमी ज्ञान, कला और विद्या की आराधना का पर्व है, जो विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की प्रेरणा देता है। वहीं निदेशक रंजीत शर्मा ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और सभी ने विद्यालय की उन्नति एवं विद्यार्थियों की सफलता के लिए मंगलकामनाएं कीं।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खोथांवाली में हर्षोल्लास से मनाया गया बसंत पंचमी उत्सव

हनुमानगढ़/खोथांवाली (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खोथांवाली में बसंत पंचमी का पावन पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की गई, जिससे विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे ज्ञान, कला और संस्कृति का प्रतीक बताया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कारों को अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में पीले रंग की सजावट की गई, जिससे बसंत ऋतु की छटा देखने को मिली। सभी ने मां सरस्वती से विद्या, बुद्धि और विवेक की कामना की। इस अवसर पर श्रवण सेवटा, सुशील सोखल, गोकुल राम गेदर, सिता राम, गुरप्रीत पटवारी, कुलदीप सेवटा, आशिष वर्मा, नरेन्द्र गेदर, बद्री थोरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस के साथ विद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दिव्यांगो के लिए आरक्षण की मांग - कायमखानी

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। आगामी समय में राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं व नगर निकायों के चुनावों की तैयारी जोरों से चल रही है और ओबीसी आरक्षण को लेकर समिति का कार्यकाल भी तीन माह ओर बढ़ा दिया गया है। इसी बीच कांग्रेस नेता मो. मुश्ताक खान कायमखानी ने केंद्र व राज्य सरकार से दिव्यांगो को भी दो या तीन प्रतिशत आरक्षण देने की वकालत की है। कायमखानी ने बताया कि सरकारी नौकरियों में आरक्षण के चलते और राजनीतिक शुचिता और दिव्यांगो की बुद्धिमत्ता, सामाजिक सम्मान और जनप्रतिनिधियों में सहभागिता को सुदृढ़ करने तथा पद-प्रतिष्ठा से नवाजे जाने के लिए विधानसभा सत्र में अधिनियम पारित कर देश की राजनीति में वंचित श्रेणी को महिमा मंडन कर दिव्यांगो के विकास व उन्नयन में पहल करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि ऐसा करने से सभी जाति, धर्म और वर्ग के लोगों को फायदा होगा और पुरातनकाल के समय में राजा, प्रधान या मुखिया के उच्च पदस्थ होने के कहानी किस्सों व उदाहरणों से समाज, राजस्थान व देश-दुनिया के सामने आदर्श व गुणवत्ता पूर्वक अनुकरणीय उदाहरण होगा।

मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान:-

कांग्रेस नेता मो. मुश्ताक खान कायमखानी ने बताया की हमारी केंद्र की पुर्व कांग्रेस सरकार ने महात्मा गाँधी जी के नाम से मनरेगा शुरू किया था, लेकिन ये जनविरोधी बीजेपी सरकार इसे तबाह करने पर तुली है। मनरेगा को ख़त्म कर बीजेपी सरकार ने ग्रामीण भारत के गरीबों, कमजोर तबकों पर हमला किया है, जिसका देशभर में विरोध हो रहा है। जल्द ही बजट सत्र शुरू होने वाला है, जिसमें हम मनरेगा के मुद्दे को उठाएंगे। देश के तमाम हिस्सों में कांग्रेस पार्टी गांव स्तर पर इस गंभीर मुद्दे को आंदोलन के रूप मे लेकर जा रही है। कायमखानी ने बताया की केन्द्र की बीजेपी सरकार को मनरेगा को फिर से लागू करना ही पड़ेगा। इस कानून को उसी तरह वापस लेना होगा, जैसे तीन काले कृषि कानूनों को लेना पड़ा था। कायमखानी ने इस मौके पर आम जनता से कुछ अपील की है और बताया की यह लडाई किसी दल की लड़ाई नहीं। गरीब और कमजोर लोगों के हक हकूक और अधिकार की लड़ाई है जिसमें देश प्रदेश की सभी जनता को आगे आकर बीजेपी सरकार को जबाब देने के लिए तैयार रहना होगा।

सत्र 2025-26 हेतु ऑफलाइन छात्रवृत्ति के आवेदन शुरु

-महाविद्यालय स्तर पर आवेदन की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजकीय महाविद्यालय बारां के प्रथम सेमेस्टर में अध्यनरत सभी नियमित विद्यार्थियों के लिए सत्र 2025-26 हेतु ऑफलाइन छात्रवृत्ति के आवेदन प्रारंभ हो चुके हैं। प्राचार्य प्रोफेसर भगवान सिंह मीणा ने बताया कि आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा सत्र 2025- 26 हेतु आवश्यकता एवं योग्यता छात्रवृत्ति, महिला योग्यता छात्रवृत्ति, उर्दू छात्रवृत्ति, शोध छात्रवृत्ति, मृतक राज्य कर्मचारियों के बच्चों को देय छात्रवृत्ति, ललित कला छात्रवृत्ति, राजस्थान के पूर्व सैनिकों की प्रतिभावान पुत्रियों को छात्रवृत्ति, भारत पाक एवं चीन युद्ध में मृतक व अपंग सैनिकों के बच्चों व उनकी विधवाओं को छात्रवृत्ति, कारगिल कार्यवाही में शहीद सैनिकों के आश्रितों को छात्रवृत्ति, मिलिट्री देहरादून भारतीय सैन्य महाविद्यालय देहरादून छात्रवृत्ति एवं स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को देय छात्रवृत्ति इत्यादि शामिल है। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शमशाद अली ने बताया कि उक्त छात्रवृत्ति हेतु सेकेंडरी की अंक तालिका, गत वर्ष परीक्षा पास की अंक तालिका, महाविद्यालय में जमा करवाई गई फीस की रसीद, आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र जो 6 माह से अधिक पुराना ना हो, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र बैंक पासबुक की प्रति व अन्य किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति न मिल रही हो इसका शपथ पत्र इत्यादि दस्तावेज संलग्न किए जाने आवश्यक हैं। उक्त छात्रवृत्तियां डिग्री के प्रथम सेमेस्टर में अध्यनरत विद्यार्थियों को ही देय है। विस्तृत जानकारी के लिए विद्यार्थी महाविद्यालय में असि. प्रो हंसराज कुमावत व असि. प्रो नवीन नावरिया से संपर्क कर सकते हैं।

श्रीसंघ द्वारा चन्द्र प्रभू मंदिर की 15 वीं वर्शगांठ मनाई

बारां । (रॉयल पत्रिका) चन्द्र प्रभू मंदिर के अध्यक्ष राजेन्द्र रंगावत, विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया व गौतम मारू ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीसंघ की मौजूदगी में गाजे-बाजे के साथ चन्द्रप्रभूजी मंदिर की 15वीं वर्षगांठ मनाई गई। बसंत पंचमी के दिन ही इस मंदिर पर पहली ध्वजा पहराई थी। विधायक एवं पूर्व मंत्री भाया ने बसंत पंचम का महत्व बताते हुए कहा कि भारत में बसंत पंचमी का त्यौहार केवल एक ऋतु परिवर्तन का प्रतीक नहीं, बल्कि यह ज्ञान, कला और नई शुरुआत का एक पावन संगम है। हिन्द पंचांग के अनुसार, माघ मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को यह पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है। गौतम बोरडिया व नवयुवक मण्डल सचिव राहुल मारू ने बताया कि चन्द्र प्रभूजी की मुख्य ध्वजा, सारभेदी पूजा व स्वामी वात्सल्य के लाभार्थी विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया, जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया व युथ अध्यक्ष यश जैन भाया रहे। महिला मण्डल अध्यक्ष उर्मिला जैन भाया, निर्मला बोरडिया व चेतना श्रीमाल ने बताया कि विमलनाथ भगवान की ध्वजा का लाभ सुरेश कुमार अशोक बोरडिया परिवार ने लिया। छोटे भगवान चन्द्र प्रभूजी की ध्वजा का लाभ हेमन्त श्रीमाल, ऋषभ श्रीमाल व बुद्धिप्रकाश मारू ने लिया। इस अवसर समस्त श्रीसंघ उपस्थित रहा। पूजा-पाठ से सम्बंधित समस्त कार्य राजेश जी पूजारी द्वारा विधिवत रूप से सम्पन्न किये गये।

बालघाट क्रिकेट कमेटी की लीग प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

हनीस शेख

टोडाभीम/बालघाट (रॉयल पत्रिका)। बालघाट में बालघाट क्रिकेट कमेटी के तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट लीग मैचों का शुभारंभ बड़े ही उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करौली जिले के जिला अध्यक्ष अब्दुल मुगनी खान एडवोकेट रहे, जिन्होंने फीता काटकर बालघाट क्रिकेट लीग का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अब्दुल मुगनी खान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खेल को अनुशासन, भाईचारे व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माध्यम बताते हुए युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में शकील नेता, रफीक नेता, थाना प्रभारी बालघाट महेश चंद मीणा, सरपंच हंसराज बेरवा, पूर्व सरपंच सफीक खान, मदन मोहन राजोरा, सद्दीक पठान, शानू ठेकेदार, आज़ाद पठान, रमजानी, नरेश बेरवा, सद्दाम सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे। लीग मैचों के शुभारंभ पर खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच देने का प्रयास किया जा रहा है।

नेता जी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर युवाओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

-नगर परिषद आयुक्त को प्रतिमा स्थापना को लेकर सौंपा ज्ञापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच राजस्थान के युवा मोर्चा के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा स्वामी गोपाल दास चौक से प्रारंभ होकर सुभाष चौक स्थित प्रस्तावित प्रतिमा स्थल तक पहुंची। यात्रा के माध्यम से युवाओं ने देश के महान क्रांतिकारी योद्धाओं को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का संदेश दिया। इस दौरान नगर परिषद आयुक्त के नाम नेता जी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा शीघ्र स्थापित करने की मांग को लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया। युवा मोर्चा अध्यक्ष ने बताया कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य युवाओं को अपने महापुरुषों के संघर्ष, त्याग और राष्ट्रभक्ति से अवगत करवाना है, ताकि युवा शक्ति उनके दिखाए मार्ग पर चल सके। संगठन के संयोजक राजेश चौधरी ने कहा कि करीब तीन वर्ष पूर्व नगर परिषद चूरू की साधारण सभा में सुभाष चौक पर नेता जी की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव पारित हुआ था, लेकिन आज तक न तो प्रतिमा स्थापित की गई और न ही कार्य पूर्ण किया गया। केवल बीच मजधार में फाउंडेशन भरकर लोहे के सरिये छोड़ दिए गए हैं, जो नेता जी का अपमान है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय में नगर परिषद द्वारा प्रतिमा स्थापित नहीं की गई, तो युवा शक्ति जनसहयोग से सुभाष चौक पर प्रतिमा स्थापित करेगी। इसी क्रम में युवा मोर्चा द्वारा अस्थायी प्रतिमा भी स्थापित की गई।इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता दिनेश भांभू भी तिरंगा यात्रा स्थल पर पहुंचे और अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि सभी विधिवत अनुमतियां होने के बावजूद नगर परिषद चूरू इस कार्य को करने में अक्षम बनी हुई है और जानबूझकर नेता जी की प्रतिमा स्थापित नहीं कर रही है। नेता जी का अपमान किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। तिरंगा यात्रा को चूरू एकता मंच, गीता क्लासेस एवं बाजार के व्यापारियों का भी समर्थन मिला। व्यापारियों द्वारा यात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठन के राजेश चौधरी, अनिल चौधरी, महेंद्र सैनी, अंकुश चौधरी, दिनेश भांभू, महेंद्र कड़वासरा, संजय सिंघानिया विनोद राठी रुपेश जाट, राजेंद्र साहू, मोनू लालासर, कपिल ढाका, दारा सिंह, योगेश, रोहिदास कुमार, श्यामपुरा सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

युवाओं ने जाने मतदाता होने के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, लिया मतदान का संकल्प

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में भावी एवं नव मतदाताओं को निर्वाचन की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से जिले के समस्त शैक्षणिक संस्थानों में स्वीप अंतर्गत ईएलसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने बताया कि बसंत पंचमी के पावन अवसर पर जिले के समस्त महाविद्यालय एवं विद्यालय में मां शारदे की पूजा अर्चना के साथ विद्यार्थियों को मतदान का महत्व बताते हुए मतदान का संकल्प कराया गया, साथ ही निर्वाचन के चारों महत्वपूर्ण एप्लीकेशंस से रूबरू कराया गया तथा वोटर हेल्पलाइन ऐप एवं मतदाता सेवा पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपना पंजीयन मतदाता सूची में करने की प्रक्रिया समझायी गई।

विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा किया मतदान के प्रति जागरूक:

कार्यक्रम के दौरान ईएलसी सदस्यों ने आकर्षक रंगोली, मेहंदी, पोस्टर, आशु भाषण, नृत्य एवं नाटक मंचन के माध्यम से मतदाताओं को जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान कॉलेज ईएलसी नोडल अधिकारी प्राचार्य भगवान सिंह मीणा, प्राचार्य संजय कुमार मेहता, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, केएल कुशवाह, कैलाश चंद्र यादव, प्रधानाचार्य मंजू राठौर, ईएलसी प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह, अजय कुमार मीणा, डॉ. तनु राजपाल, सीमा राणावत, दारा सिंह खोखर, स्वीप सदस्य रामचरण मीणा,स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी एवं गणमान्य जन मौजूद रहें।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रातडिया में सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई

अंता (रॉयल पत्रिका) । महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रातडिया में 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई, सर्वप्रथम विद्यालय में स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि एवं पूर्व प्रधानाचार्य पुष्प दयाल नागर ने बोस की मूर्ति पर माल्यार्पण किया, प्रधानाचार्य देवीलाल पालीवाल ने सुभाष चंद्र बोस के जीवन से राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देने का संदेश दिया। पुष्प दयाल नागर पूर्व प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रातडिया ने ऐसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा परेड का प्रदर्शन किया गया। अंग्रेजी के व्याख्याता शिक्षाविद रुस्तम अली खान ने बताया कि बॉस ने आजाद हिंद फौज का गठन किया और आह्वान किया तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा के नारे से युवाओं को राष्ट्र क्रांति हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में रवि प्रकाश वर्मा, प्रेमचंद मालव, नवनीत कुमावत, कल्पना मेहरा, प्रतिमा शर्मा, देवेंद्र गोचर,नीलम कुड़िया, लोकेश गौतम,सरिता शाक्यवाल, ईशाक मोहम्मद वाजिद खान और दक्ष प्रताप सिंह भी उपस्थित थे। आज ही शिक्षक अभिभावक मीटिंग एवं निपुण मेले का भी आयोजन रहा, प्रातः प्रार्थना सत्र में बसंत उत्सव भी विद्यालय में मनाया गया और मां सरस्वती की आराधना की गई ।

महवा में मेगा पीटीएम और मतदाता शपथ का आयोजन, अभिभावकों ने जताई संतुष्टि

-विद्यालय में कृष्ण भोग और राष्ट्रीय गीत का आयोजन, छात्राओं ने बढ़चढ़कर लिया भाग

महवा/दौसा (रॉयल पत्रिका)। महवा स्थित पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को मेगा पीटीएम व मतदाता शपथ का आयोजन हुआ। मेगा पीटीएम-विशाल अभिभावक-शिक्षक बैठक में विद्यालय में अध्ययनरत सैंकड़ों विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भाग लिया। बैठक में अभिभावकों व शिक्षकों द्वारा फीडबैक लिया दिया गया। अभिभावकों द्वारा अध्ययन के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के सवाल किए गए और सुझाव भी दिए। विद्यालय के शैक्षिक स्टाफ द्वारा अभिभावकों को उनके सवालों के संतोषजनक जवाब दिए गए। इससे अभिभावक संतुष्ट नजर आए। इस दौरान माननीय मुख्यमंत्री महोदय का सहभागी संवाद व सजीव प्रसारण दिखाया सुनाया गया। विद्यालय में विद्यार्थियों को कृष्ण भोग बनाकर खिलाया गया। प्री-एनवीडी में ईएलसी गतिविधियों के अंतर्गत अध्ययनरत छात्राओं व स्टाफ को मतदाता शपथ भी दिलाई गई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती व राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय गीत व सरस्वती वंदना का गायन करवाया गया। इसी अवसर पर 21वीं सदी के कौशल में यूथ व ईको क्लब के अंतर्गत पांच मूल तत्व पृथ्वी, जल, आकाश, वायु, अग्नि सदनों में पोस्टर, निबंध व भाषण प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें 150 छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य हनुमान प्रसाद मीना, श्रद्धा आर्य, देवी सिंह फौजदार, कमल सिंह मीना, श्याम सुंदर गुर्जर, विक्रम मीना, दीपलता शर्मा, अमितेश शर्मा, साधना शर्मा, विनीता गुप्ता, कमलेश शर्मा, शैलेश तिवारी सहित समस्त स्टाफ, सैंकड़ों छात्राएं व अभिभावक मौजूद थे।

मंडावर में भूपेंद्र सैनी का भव्य स्वागत, हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा की गरिमा बढ़ाई

-बसंत पंचमी पर खंडेलवाल समाज की शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब, प्रदेश महामंत्री व महवा विधायक ने की शिरकत

शफीक अली

मंडावर/दौसा (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश महामंत्री भाजपा भूपेंद्र सैनी व महवा विधायक राजेंद्र मीणा का मंडावर हेलीपैड पर आमजन और कार्यकर्ताओं ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर सैनी ने कहा कि जनसमर्थन और कार्यकर्ताओं का स्नेह ऊर्जा व प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास और संगठन की मजबूती के साथ निरंतर जनसेवा के पथ पर अग्रसर रहेंगे। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मंडावर में खंडेलवाल समाज द्वारा आयोजित विशाल एवं भव्य शोभायात्रा पर हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा कर आयोजन की गरिमा को और अधिक भव्य बनाया गया। इस दिव्य दृश्य के साक्षी बनकर सैनी ने अपार हर्ष एवं गौरव की अनुभूति हुई। इस अवसर पर उद्योगपति रमेश जी खंडेलवाल, महवा विधायक राजेंद्र मीणा, भाजपा देहात मंडल अध्यक्ष धारा सिंह गुर्जर, टुडियाना सरपंच घनश्याम गुर्जर, योगेश शास्त्री, मनोज गुर्जर, बाबडीखेड़ा सरपंच सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे। सैनी ने कहा कि ऐसी सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराएँ हमारी सामाजिक एकता, संस्कृति और मूल्यों को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने कहा कि जनसेवा एवं समाजहित के प्रति हमारा संकल्प सदैव अटूट रहेगा। शोभायात्रा को सैनी, खंडेलवाल और अन्य गणमान्य लोगों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर समाजजनों में अपार उत्साह देखने को मिला। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने भजन-कीर्तन और नृत्य किया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा मंडावर के विभिन्न मार्गों से होती हुई वापस आयोजन स्थल पर पहुंची, जहां सैनी ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि खंडेलवाल समाज की इस पहल की सराहना करता हूं और आशा करता हूं कि यह आयोजन समाज में एकता और भाईचारे का संदेश फैलाएगा। इस अवसर पर सैनी ने कहा कि वे मंडावर के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा से ही समाज के हर वर्ग के विकास के लिए काम किया है और आगे भी करती रहेगी। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने सैनी और खंडेलवाल का अभिनंदन किया और उनके साथ फोटो खिंचवाए। इस अवसर पर सैनी ने कहा कि वे इस आयोजन में शामिल होकर बहुत खुश हैं और उन्हें मंडावर की जनता का प्यार और समर्थन मिला है।

आरएएमपी पहल के तहत आधुनिक तकनीक से जुड़े एमपी उद्यमी

भोपाल। भारत सरकार की आरएएमपी) योजना के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के पात्र एमएसएमईएवं एवं डीपीआईआईटी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स के लिए आयोजित वुडएशिया ङ्क वुड वर्किंग मशीनरी एक्सपो 2026, लुधियाना (पंजाब) हेतु एक्सपोज़र विज़िट का सफल समापन किया गया। यह एक्सपोज़र विज़िट 16 से 18 जनवरी 2026 तक लुधियाना एग्ज़ीबिशन सेंटर , साहनेवाल, लुधियाना में आयोजित की गई, जिसमें मध्यप्रदेश के चयनित उद्यमियों ने सक्रिय सहभागिता की। विज़िट का उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक वुडवर्किंग मशीनरी, फर्नीचर मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, प्लाइवुड/एमडीएफ एवं पैनल प्रोसेसिंग सॉल्यूशंस, ऑटोमेशन, गुणवत्ता सुधार तथा बाजार विस्तार से संबंधित नवीनतम तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना रहा। एक्सपोज़र विज़िट के दौरान आरएएमपी राज्य नोडल अधिकारी श्री अनिल थागले द्वारा प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने आरएएमपी योजना के अंतर्गत उपलब्ध अवसरों, नवीन तकनीकों को अपनाने, उत्पादन क्षमता एवं गुणवत्ता में सुधार, तथा नेटवर्किंग एवं मार्केट लिंकेज के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। यह एक्सपोज़र विज़िट पीएचडीचैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। यह पहल मध्यप्रदेश के एमएसएमईएवं स्टार्टअप्स को उन्नत तकनीकों से जोड़ने, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने, उत्पादन प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने तथा राष्ट्रीय स्तर पर नए व्यावसायिक अवसरों से जुड़ने में अत्यंत उपयोगी एवं प्रभावी सिद्ध हुई।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन इंडिया ने शुरू किया चेंज द सोच - कन्याकुमारी से कश्मीर ड्राइव

मुंबई, एजेंसी। फ्रैंकलिन टेम्पलटन (इंडिया) ने आज चेंज द सोच ङ्क कन्याकुमारी से कश्मीर

ड्राइव की शुरुआत की। यह अपनी तरह का पहला देशव्यापी अभियान है, जिसका उद्देश्य खास तौर पर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन के भारत में 30 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित यह 30 दिनों की यात्रा देश के सबसे दक्षिणी सिरे कन्याकुमारी से शुरू होगी। यह यात्रा 21 शहरों से होते हुए जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में समाप्त होगी। इस अभियान के तहत आसान और संवाद करने लायक वित्तीय शिक्षा से जुड़े सत्र, विशेषज्ञों की जानकारी और समुदाय से जुड़ाव के माध्यम से लोगों को म्यूचुअल फंड निवेश को सरल भाषा में समझाया जाएगा, ताकि हजारों भारतीय अपने वित्तीय भविष्य की जिम्मेदारी खुद लेने का आत्मविश्वास पा सकें। फ्रैंकलिन टेम्पलटन इंडिया के प्रेसिडेंट, अविनाश सत्वालेकर, खुद इस यात्रा का नेतृत्व करेंगे। इस देशव्यापी सफर के जरिए उनका मकसद हर वर्ग के लोगों को आर्थिक रूप से जोड़ना है। वे हर दूसरे दिन किसी नए शहर या गांव में रुकेंगे, जहां अलग-अलग समूहों की महिलाओं के लिए निवेशक शिक्षा कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। अपने जीवन के लक्ष्यों को पूरा कर सकें। इस पहल में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे, जिनमें ज्यादातर महिलाएं होंगी। इनमें शामिल हैं— किसान महिलाएं (मछुआरा समुदाय से लेकर अलग-अलग फसलें उगाने वाली), शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग (छात्र, अभिभावक, स्कूल और कॉलेज के शिक्षक), स्वयं सहायता समूह (खाद्य और हथकरघा क्षेत्र में काम करने वाली महिलाएं), उद्यमी, निजी और सरकारी कर्मचारी, सेना, नौसेना और पुलिस कर्मी।

बींझबायला के सरस्वती शिक्षण समूह में बसंत पंचमी के अवसर पर हर्षोल्लास: 21 बच्चों का विद्यारंभ संस्कार, पांच कुंडीय गायत्री यज्ञ संपन्न

विनोद सोखल

बींझबायला/श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। सरस्वती शिक्षण समूह, बींझबायला में विद्या की देवी मां सरस्वती के जन्मोत्सव बसंत पंचमी के पावन अवसर पर उत्साह और श्रद्धा के साथ भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर पांच कुंडीय गायत्री शक्ति पीठ, श्री गंगानगर द्वारा यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य शास्त्री आदित्य, दीपक एवं श्याम सुंदर ने बसंत पंचमी तथा यज्ञों की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता रही 21 नवप्रवेशी बच्चों का मंत्रोच्चारण के साथ पारंपरिक विद्यारंभ संस्कार। बच्चों ने मां सरस्वती की कृपा से अपने शैक्षणिक जीवन की शुभ शुरुआत की। यज्ञ में 21 जोड़ों ने विधिवत आहुति दी, जिससे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। आज के मुख्य यजमानों में पूर्ण सिंह चौहान, अमर दास सेठी, सुशील कुदाल, राजकुमार महिंद्रा (पूर्व सरपंच, रिडमलसर) तथा जीतनाथ (महंत श्री तारागढ़ दरबार, बींझबायला) शामिल रहे। यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात संस्था निदेशक अनिल खालिया ने सरस्वती शिक्षण समूह की भावी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि सरस्वती जी. वी. कॉन्वेंट स्कूल को सी.बी.एस.ई. की मान्यता प्राप्त हो गई है। यह बींझबायला क्षेत्र में एकमात्र

सी.बी.एस.ई. संबद्ध स्कूल है, जो अब स्थानीय बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में सक्षम होगा। स्वीमिंग पुल व घुडसवारी की सुविधाएं भी रहेगी। संस्था डायरेक्टर सी. एल. रांका ने भी बसंत पंचमी की सांस्कृतिक एवं शैक्षिक महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए। यह आयोजन न केवल धार्मिक उत्सव था, बल्कि शिक्षा, संस्कार और सामुदायिक एकता का सुंदर प्रतीक भी साबित हुआ। स्थानीय निवासियों ने इस भव्य कार्यक्रम की सराहना की और संस्था की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

पुस्तकें उपहार में देना बेहतरीन यादगार होती हैं : डॉ.सहारण

-मोहनसिंह मील की स्मृति में हुआ प्रयास पुस्तक उपहार कार्यक्रम आयोजित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थानीय राजकीय सागरमल बैद जिला पुस्तकालय में प्रयास संस्थान की पुस्तक उपहार योजना अंतर्गत शुक्रवार को मोहनसिंह मील की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने कहा कि शिक्षा के विस्तार एवं समाज के स्वस्थ स्वरूप की कल्पना में ताउम्र संलग्न रहे व्यक्ति की स्मृति में पुस्तकें उपहार में देना बेहतरीन यादगार होती हैं। जिला पुस्तकालय सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में पुस्तकें पाठकों तक एवं लेखकों के हाथ में लागत सोच के साथ दिवंगत मोहनसिंह मील

की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके सुपुत्र विकास मील के आर्थिक सौजन्य से चूरू अंचल के पांच लेखक सुधींद्र शर्मा सुधी, कमल शर्मा, आशीष गौतम आशु, गीता रावत एवं मंगल व्यास भारती की किताबें क्रय कर जिला पुस्तकालय को उपहार में दी गईं। पुस्तकें पुस्तकालाध्यक्ष राधेश्याम कस्वां ने ग्रहण की। इस अवसर पर मील परिवार के विकास मील, कनिष्का मील, सार्थक चौधरी ने क्रय की गई किताबों का मूल्य लेखकों को भेंट किया। पुस्तकालय परामर्शदाता प्रमिला ने आभार व्यक्त किया।

डीडवाना के प्रथम चीफ लीगल डिफेंस कौंसिल एडवोकेट विकास ठोलिया के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर 26 जनवरी को, पोस्टर का विमोचन

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। ज़िला अभिभाषक संघ डीडवाना द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डीडवाना के प्रथम चीफ लीगल डिफेंस काउंसिल एडवोकेट विकास ठोलिया के 51 वें जन्मदिवस एवं 77 वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर 26 जनवरी को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन डीडवाना के न्यायालय परिसर में किया जाएगा। इस रक्तदान शिविर के सम्बन्ध में जारी पोस्टर का विमोचन जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर आईपीएस द्वारा विधिवत् रूप से किया गया। इस अवसर पर उन्होंने इस महान सेवा एवं पुनीत कार्य में सबको अपनी सहभागिता देकर किसी ज़रूरतमंद को नया जीवन प्रदान करने में सहयोग करने की अपील की। छात्र के जाने-माने मशहूर अधिवक्ता विकास ठोलिया को जिला सेशन न्यायालय डीडवाना कुचामन में प्रथम चीफ लीगल डिफेंस कौंसिल बनने के विशेष मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी, विधायक मुकेश भाकर, पुर्व विधायक चेतन डुडी, नगर पालिका अध्यक्ष रावत खां, नगर पालिका उपाध्यक्ष मुकेश खिंची, बार संघ अध्यक्ष एडवोकेट शरफराज शरीफ, एडवोकेट नबाब खां, एडवोकेट

भगवती प्रसाद शर्मा, एडवोकेट गजानन वर्मा, एडवोकेट हाकम अली खां, सहित डीडवाना कुचामन जिले की बार कौंसिल, बार संघ के सभी अधिवक्ताओं ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए अधिवक्ता विकास ठोलिया के उज्जवल भविष्य की अल्लाह ईश्वर से प्रार्थना की है। और 26 जनवरी के विशेष मौके पर ठोलिया के जन्मदिवस पर अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपिल की है, रक्तदान महादान, रक्तदान करके किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है।

बींझबायला मनियारी युनियन के अध्यक्ष होंगे मुकेश

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। बींझबायला मनियारी युनियन के अध्यक्ष पद पर गुरुनानक जनरल स्टोर के संचालक मुकेश को सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित किया गया। युनियन की बैठक में सभी सदस्यों ने एकमत होकर मुकेश के नाम पर सहमति जताई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष महेंद्र बतरा ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष मुकेश को औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा। कार्यभार ग्रहण करते हुए

मुकेश ने युनियन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे व्यापारियों के हितों की रक्षा के साथ-साथ संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। बैठक में मौजूद सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए उनके कार्यकाल के सफल रहने की शुभकामनाएं दीं।

बसंत पंचमी पर शिक्षा विभाग का ऐतिहासिक आयोजन

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर जंक्शन स्थित जिला कलेक्ट्रेट के नजदीक एलआर भवन में शिक्षा विभाग द्वारा ऐतिहासिक मेगा पीटीएम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में अभिभावकों की सहभागिता देखने को मिली, जिससे यह आयोजन पूरी तरह सफल और प्रेरणादायक रहा। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, अभिभावकों की भागीदारी को बढ़ावा देने तथा निपुण भारत मिशन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम ने जिले में शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश दिया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, जनप्रतिनिधि प्रमोद डेलू, अमित चौधरी, प्रदीप ऐरी, पूर्व विधायक धर्मेन्द्र मोची, देवेन्द्र पारीक, आशीष पारीक, संजय शर्मा, हनीश ग्रोवर, विकास गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलेक्टर

उम्मेदीलाल मीना तथा सहायक निदेशक बीकानेर धमेन्द्र धनेवा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों को प्रसाद का वितरण किया गया, जिससे आयोजन में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण बना रहा। मेगा पीटीएम के दौरान अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद स्थापित हुआ। अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, विद्यालयों में संचालित शैक्षिक गतिविधियों और निपुण भारत अभियान के तहत किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। वहीं निपुण मेले में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए शैक्षणिक मॉडल, चार्ट एवं गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर अभिभावक और अतिथि काफी प्रभावित हुए। कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में निःशुल्क साईकिल वितरण योजना के तहत कक्षा 9 में अध्ययनरत 21 बालिकाओं को साइकिलें प्रदान की गईं। अतिथियों ने बालिकाओं को साइकिल सौंपते हुए कहा कि यह योजना बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर सीडीईओ पन्नालाल कड़ेला ने जानकारी देते हुए बताया कि बसंत पंचमी के दिन पूरे जिले में साइकिल वितरण कार्यक्रम, मेगा पीटीएम, निपुण मेले एवं कृष्ण भोज का आयोजन एक साथ किया गया है।

घांघू के उपाध्याय परिवार ने लिया मृत्यु भोज व ओढ़ावनी प्रथा बंद करने का निर्णय

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। निकटवर्ती गांव घाघू में समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए गांव घांघू के उपाध्याय परिवार ने मृत्यु भोज एवं ओढ़ावनी की परंपरा को पूर्णतः बंद करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय की समाज के हर वर्ग में मुक्तकंठ से सराहना की जा रही है। पूर्व सरपंच जयप्रकाश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके बड़े भाई बनवारी लाल शर्मा की धर्मपत्नी संतोष शर्मा का 13 जनवरी को निधन हो गया था। इस दुःखद अवसर पर परिवार ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि आगे से परिवार में किसी भी प्रकार का मृत्यु भोज आयोजित नहीं किया जाएगा। परिवार का मानना है कि मृत्यु भोज एक सामाजिक बुराई है, जो शोक की घड़ी में अनावश्यक आर्थिक और सामाजिक दबाव उत्पन्न करती है, इसलिए इसे त्यागना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर चूरू शहर के गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष जे.पी. जाजड़ा ने उपाध्याय परिवार के निर्णय की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के सक्षम लोगों को ऐसी सामाजिक कुरीतियों को तोड़ने के लिए आगे आना चाहिए, ताकि अन्य लोग भी उनका अनुकरण कर सकें। उन्होंने कहा कि समाज में मृत्यु भोज के विरुद्ध एक नई चेतना विकसित हो रही है और आने वाले समय में मृत्यु भोज-मुक्त समाज की परिकल्पना साकार हो सकेगी। कार्यक्रम के दौरान बनवारीलाल उपाध्याय, सुरेश कुमार उपाध्याय, राधेश्याम उपाध्याय, जयप्रकाश उपाध्याय, तपेश उपाध्याय, राजकुमार सिवाल, रमेश कुमार जोशी (रतनगढ़) सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। उपाध्याय परिवार की इस पहल से समाज में एक सशक्त संदेश गया है कि परंपराओं के नाम पर चली आ रही कुरीतियों को त्यागकर ही एक सुंदर, स्वस्थ और संवेदनशील समाज का निर्माण संभव है।

जागरूकता बुनी जिंदगी में: संजीवनी ने 'पिंक टैग प्रोजेक्ट' शुरू करके रोजमर्रा की पलों को जीवन रक्षक संदेश में बदली

मुंबई, एजेंसी। फेडरल बैंक हॉरमिस मेमोरियल फाउंडेशन, न्यूज18 नेटवर्क और नॉलेज पार्टनर टाटा ट्रस्ट्स द्वारा शुरू की गई परिवर्तनकारी पहल संजीवनी- यूनाइटेड अगेंस्ट कैंसर के तीसरे संस्करण में द पिंक टैग प्रोजेक्ट लॉन्च किया गया है। यह एक अनोखी और असरदार व्यवहार परिवर्तन पहल है, जो महिलाओं तक उनके सबसे निजी और व्यक्तिगत पलों में पहुंचती है और उन्हें यह याद दिलाती है कि अपनी देखभाल कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा लिए जरूरी है। भारत में हर चार मिनट में एक महिला को स्तन कैंसर का निदान होता है। हर आठ मिनट में एक महिला इस बीमारी के कारण अपनी जान गंवा देती है। छोटे शहरों और गांवों में, जहां जानकारी की कमी है और सामाजिक झिझक ज्यादा है, वहां स्तन स्वास्थ्य पर बातचीत लगभग नहीं होती। महिलाएं शायद ही कभी अपने लिए समय निकाल पाती हैं। घर के काम, रोजगार और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका खुद का स्वास्थ्य पीछे छूट जाता है। जब तक कोई गंभीर संकट सामने नहीं आता, तब तक उनकी सेहत अनदेखी, टाली हुई और भुला दी जाती है। पिंक टैग प्रोजेक्ट एक बहुत ही सरल लेकिन गहरे विचार से जन्मा है। एक महिला के दिन का सबसे निजी पल, जब वह कपडे पहनती है, वही पल उसकी सेहत को लेकर जागरूकता जगाने का सबसे ताकतवर समय बन सकता है।

ट्रंप के नए शिगूफे से निवेशकों को दो दिन में 13 लाख करोड़ का झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए शिगूफे ने मंगलवार को दुनियाभर में हलचल मचा दी। ट्रंप ने एक तस्वीर साझा करते हुए अमेरिका के नए नक्शे में ग्रीनलैंड और कनाडा को दर्शाया। वहीं, पीस बोर्ड का समर्थन नहीं करने पर उन्होंने फ्रांसीसी वाइन और शैंपेन पर 200 प्रतिशतआयात शुल्क लगाने की धमकी दी। इसका असर भारत समेत दुनिया के बाजार में दिखा। भारतीय निवेशकों के दो दिनों में 13 लाख करोड़ रुपये डूब गए।

गाजा और अन्य वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के लिए शांति बोर्ड की पहल का फ्रांस द्वारा समर्थन नहीं करने पर ट्रंप ने कहा, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को कोई नहीं चाहता, क्योंकि वह जल्द पद से हटने वाले हैं। मैं उनकी वाइन एवं शैंपेन पर 200 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दूंगा और वह बोर्ड में शामिल हो जाएंगे, लेकिन उन्हें शामिल होने की कोई जरूरत नहीं है। एक अन्य बयान में ट्रंप ने कहा, ग्रीनलैंड पर नियंत्रण के लक्ष्य से पीछे हटने का सवाल ही नहीं है। ट्रंप के नए रुख से निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ गई,

जिसका असर एशिया, यूरोप और अमेरिका-तीनों प्रमुख बाजारों पर दिखा। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में कारोबार के दौरान एक प्रतिशत से अधिक की कमजोरी देखी गई। अमेरिकी बाजार सोमवार को अवकाश के कारण बंद रहे। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच मंगलवार को प्रमुख कंपनियों में भारी बिकवाली आने से घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,066 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 353 अंक टूटा। यह प्रतिशत के मामले में बीते आठ माह की एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट रही। इससे पहले इतनी बड़ी गिरावट 13 मई 2025 को दर्ज की गई थी। कारोबारियों ने कहा कि प्रतिकूल वैश्विक हालात में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट जारी रहने से निवेशकों की धारणा पर प्रतिकूल असर पड़ा।

जनवरी 2026 में अब तक स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन कमजोर रहा है। इस महीने इंडेक्स करीब 6.3 प्रतिशत टूटा है, जबकि इसी दौरान सेंसेक्स में करीब 2.8 प्रतिशत की गिरावट आई है। सभी प्रमुख प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए, जिसमें निफ्टी रियल्टी में सबसे ज़्यादा 5 प्रतिशत की गिरावट आई, इसके बाद निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी केमिकल्स में से प्रत्येक में 2.7 प्रतिशत की गिरावट आई। निफ्टी ऑटो, निफ्टी आईटी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी एफएमसीजी सहित अन्य सेक्टरों में 1.5 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत के बीच गिरावट आई। लगातार दो दिन में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1400 से अधिक अंक, यानी 2 प्रतिशत गिर गया, जबकि निफ्टी 50 भी दो फीसदी टूटा है।

आयकर विभाग ने पकड़ी हेराफेरी, 1 लाख लोगों ने रिटर्न में छूट के लिए किए गलत क्लेम

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर रिफंड को लेकर लोगों का इंतजार बढ़ रहा है। खासकर एक लाख से अधिक के रिफंड अभी तक रुके हुए हैं। कारण, आयकर विभाग ने रिफंड से जुड़े मामलों का ऑडिट किया, जिसमें सामने आया कि रिफंड को लेकर गलत तरीके से छूट का दावा किया गया। काफी सारे मामलों में गड़बड़ी सामने आने के बाद आयकर विभाग ने गहन जांच शुरू की, जिसमें पाया कि बड़ी संख्या में रिफंड पाने के लिए हेराफेरी की गई है। सूत्रों का कहना है कि जांच के दौरान पाया गया कि कुछ मामलों में रिटर्न भरते वक्त राजनीतिक दलों को चंदा दिखाया गया लेकिन जब जांच हुई तो पता

चला कि धनराशि संबंधित राजनीतिक दल के खाते में ट्रांसफर नहीं हुई। कई मामलों में बड़ी धनराशि चंदे के रूप में दिखाई गई। इसी तरह से कुछ मामलों में देखा गया कि एनजीओ को चंदे के तौर पर धनराशि देना दिखाया गया लेकिन जब संबंधित एनजीओ के खातों का ऑडिट किया गया तो पता चला कि चंदा सिर्फ कागजों में ट्रांसफर किया गया। आयकर छूट पाने के लिए एनजीओ से जुड़ी रसीदों का इस्तेमाल किया गया। इसी तरह से बच्चों की फीस और मकान का किराया दिखाने में भी गड़बड़ी की गई। ऐसे मामलों को शुरुआती दौर में एआई की मदद से पकड़ा गया, लेकिन बाद में आयकर विभाग ने अपने अधिकारी लगाकर जांच कराई तो मामले पकड़े गए। आयकरदाता को नोटिस जारी किया, जिसमें उनसे राजनीतिक दल को चंदा देने, मकान का किराया और बच्चों की फीस से जुड़े दस्तावेज मांगे गए। करदाताओं से पूछा गया कि चंदे के तौर पर आपकी तरफ से जो दस्तावेज लगाया गया है, वह धनराशि संबंधित राजनीतिक दल या संस्थान के खाते में नहीं गई है। इसके बाद काफी मामलों में लोगों ने अपनी गलती को सुधारते हुए संशोधित आयकर रिटर्न दाखिल किया, लेकिन कुछ मामले में कार्रवाई की जा रही है। आयकर विभाग से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि जब रिफंड से जुड़े मामलों की जांच की जा रही थी तो उस वक्त कुछ मामलों में देखा गया कि कुछ आयकरदाता बीते छह-सात वर्षों से इसी तरह के दावों के साथ रिफंड क्लेम कर रहे है।

एनबीबीएलएल ने भारत कनेक्ट के जरिए ई-वेहिकल वॉलेट रिचार्ज को बनाया आसान

भोपाल। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएलएल), भारत के बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) इकोसिस्टम के लिए डिजिटल भुगतान समाधानों को मजबूत कर रही है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के दौरान लॉन्च की गई ईवी रिचार्ज श्रेणी के माध्यम से अब इलेक्ट्रिक वाहन मालिक भारत कनेक्ट-सक्षम टचपॉइंट्स पर आसानी से अपने ईवी वॉलेट को टॉप-अप कर सकते हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ईवी की बिक्री 2016 में 50,000 से बढ़कर 2024 में 2.08 मिलियन हो गई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भारत 2030 तक कुल वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य रखता है। इस तेज विकास के बावजूद, ईवी उपयोगकर्ताओं को अपनी चार्जिंग जरूरतों के लिए कई ऑपरेटर ऐप्स के बीच स्विच करना पड़ता था, जिससे उन्हें असुविधा और असंगत अनुभवों का सामना करना पड़ता था। प्रमुख ईवी वॉलेट प्रदाताओं और चार्जिंग नेटवर्क को एक ही सुलभ ढांचे में एकीकृत करके, एनबीबीएलएल एक परेशानी मुक्त भुगतान बुनियादी ढांचा तैयार कर रहा है। यह भारत कनेक्ट के एपीआई-आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर की मदद से उपयोगकर्ताओं को सभी पार्टनर ऐप्स पर एक जैसा अनुभव प्रदान करता है। विद्युत मंत्रालय (एमओपी) के अनुसार, अगस्त 2025 तक देश भर में कुल 29,277 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं। अब भारत कनेक्ट-सक्षम ऐप्स और वेबसाइटों पर ईवी वॉलेट टॉप-अप उपलब्ध होने से, ग्राहक टाटा ईज़ी चार्ज और ज़ीऑन चार्जिंग जैसे स्टेशनों के लिए अपना बैलेंस आसानी से मैनेज कर सकते हैं। ये लेनदेन यूपीआई, कार्ड, नेट बैंकिंग और वॉलेट जैसे परिचित तरीकों से पूरे किए जा सकते हैं, जिसमें तत्काल पुष्टि और डिजिटल रिकॉर्ड की सुविधा भी मिलती है।

दलदल का ट्रेलर जारी, सीरियल किलर के छक्के छुड़ाएंगी डीसीपी रीटा

मुंबई। क्राइम थ्रिलर सीरीज 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। मुंबई शहर की पृष्ठभूमि पर बनी 'दलदल' की कहानी डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक खतरनाक जांच पर निकलती हैं, जहां उन्हें एक बेरहम सीरियल किलर को पकड़ना होता है। ट्रेलर में डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) की खौफनाक दुनिया का सफर दिखाया गया है, जिसे भूमि सतिश पेडनेकर ने बेहद सशक्त अंदाज में निभाया है। ट्रेलर में क्रूर और सोचे-समझे किए गए हत्याकांड सामने आते हैं, जो एक कातिल की घिनौनी सोच को दिखाता हैं। जैसे-जैसे लाशों की संख्या बढ़ती जाती है, रीटा इस अंधेरी और डरावनी जांच में खुद को और गहराई तक फंसा हुआ पाती है। विश धामिजा की बेस्टसेलिंग किताब 'भेंडी बाजार' पर 'दलदल' आधारित है। इस सीरीज को अमृत राज गुप्ता ने निर्देशित किया है। विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी ने इसका निर्माण किया है। इसे श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा और प्रिया सग्गी ने लिखा है। भूमि सतिश पेडनेकर के साथ इस सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी अहम भूमिकाओं में हैं।

लाइफ Style

राशा
लाइकी लाइका में सिंगिंग डेब्यू

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। फिलहाल राशा अपने सिंगिंग डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं जो उन्होंने इसी फिल्म 'लाइकी लाइका' में गाया है। लोग राशा की तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाइकी लाइका' से राशा ने फिल्मी दुनिया में सिंगिंग डेब्यू किया है। इस गाने का वीडियो सामने आ चुका है और फैन्स उनकी आवाज की तारीफें करते नहीं थक रहे। राशा थडानी बॉलीवुड में एंट्री करने से पहले भी सोशल मीडिया पर अपना सिंगिंग टैलेंट दिखा चुकी हैं। अब पहली बार वो फिल्मों में गाने जा रही हैं। इस गाने के साथ वो अपनी एक्टिंग जर्नी एक अलग लेवल पर ले जा रही हैं। राशा ने फिल्म 'लाइकी लाइका' के गाने 'चाप तिलक' से अपने सिंगिंग की शुरुआत की है। बॉलीवुड स्टार किड्स की दुनिया में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने डेब्यू को लेकर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। अजय देवगन की फिल्म 'आजाद' से राशा ने डेब्यू किया। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। अब उनकी अगली फिल्म 'लाइकी लाइका' को लेकर लोगों को काफी उम्मीदें हैं। 'लाइकी लाइका' एक दमदार रोमांटिक ड्रामा फिल्म बताई जा रही है। इस फिल्म में दो कलाकार राशा और मुंज्या (2024) फेम अभय वर्मा नजर आएंगे। सौरभ गुप्ता के डायरेक्शन और भावना तलवार और राघव गुप्ता द्वारा प्रड्यूस ये फिल्म यंग कपल की कहानी है। ये फिल्म इस साल गर्मियों में रिलीज होने जा रही है जो शुरुआत से ही जबरदस्त चर्चा में है।

हॉलीवुड मसाला

कान्ये वेस्ट भारत में करेंगे लाइव कॉन्सर्ट!

मुंबई। दुनिया के सबसे अमीर, सबसे मशहूर रैपर कान्ये वेस्ट भारत में लाइव कॉन्सर्ट करने वाले हैं! जी हां, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 24 बार ग्रैमी जीत चुके कान्ये अप्रैल 2026 में अपना पहला इंडिया टूर लाने वाले हैं। हालांकि, अभी तारीखों और शहरों की पुष्टि नहीं है। कान्ये वेस्ट भारत में अपना कॉन्सर्ट डेब्यू करेंगे। मॉडर्न म्यूजिक के साउंडस्केप को बदलने के लिए पहचाने जाने वाले कान्ये को 'ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम रैपर' कहा जाता है। आई वंडर, गोल्ड डिगर, रनअवे और हार्टलेस के लिए मशहूर कान्ये उन सेलेब्स में से हैं, जो अपने काम के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। कान्ये वेस्ट का नाम सिर्फ उनके हिट सिंगल्स तक ही सीमित नहीं है।

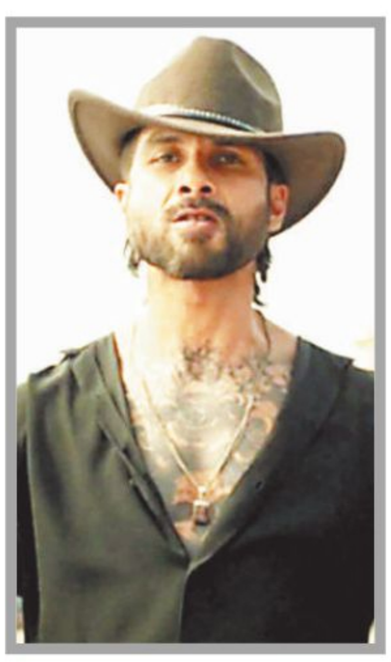

ओ रोमियो का ट्रेलर रिलीज एक्शन करते दिखे शाहिद

मुंबई। विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ रोमियो' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है। शाहिद कपूर उस्तरा के किरदार में एक्शन करते नजर आए। शाहिद कपूर की फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर 21 जनवरी को रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में रोमांस से लेकर एक्शन का तालमेल दिखाया गया है। इस फिल्म को देखकर फैंस को शाहिद की फिल्म 'कबीर सिंह' की याद जरूर आ जाएगी। शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'उस्तरे से पंगा नहीं लेने का, शरीर से आत्मा काट के ले जाता है।' विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित फिल्म 'ओ रोमियो' 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शाहिद के इस पोस्ट पर कई फैंस ने फायर और लाल दिल वाले इमोजी शेयर किए हैं। 'ओ रोमियो' के ट्रेलर में आपको रोमांस के साथ भरपूर एक्शन देखने को मिलेगा।

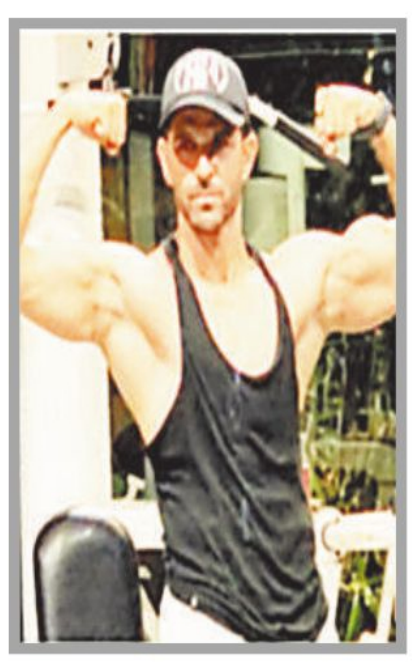

2016 वायरल ट्रेंड में शामिल हुए ऋतिक

मुंबई। बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' ऋतिक रोशन ने 2016 के ट्रेंड को फॉलो करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में ऋतिक ने तस्वीरों के जरिए अपनी कई खूबसूरत यादों को साझा किया है। इन तस्वीरों में फिटनेस के लिए ऋतिक का प्यार साफ झलक रहा है। ऋतिक ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार तस्वीरों को शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। पहली तस्वीर में ऋतिक अपने बाइसेप्स को फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं। दूसरी और तीसरी तस्वीर में भी ऋतिक दोनों हाथों को उठाए बाइसेप्स दिखा रहे हैं। चौथी तस्वीर ऋतिक के बचपन की है; इस तस्वीर में भी फिटनेस के लिए ऋतिक का क्रेज देखा जा सकता है। बाकी की सभी तस्वीरों में ऋतिक जिम में कसरत करते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों से साफ पता चलता है कि ऋतिक बचपन से ही फिटनेस फ्रीक रहे हैं।

द ड्रैगन लिव्स अगेन के लिए मशहूर थे ब्रूस

लॉस एंजिल्स। मशहूर मार्शल आर्टिस्ट और 'कुंग फू हसल' के अभिनेता ब्रूस लेउंग का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्हें लेउंग सिउ-लंग के नाम से भी जाना जाता था। ब्रूस लेउंग कई मार्शल आर्ट फिल्मों में काम करने के लिए जाने जाते हैं, जिनमें 1977 की 'द ड्रैगन लिव्स अगेन' और 1978 की 'मैग्निफिसेंट बॉडीगार्ड्स' शामिल हैं। इनमें उन्होंने जैकी चैन के साथ अभिनय किया था। 2004 में उन्होंने स्टीफन चाउ की फिल्म 'कुंग फू हसल' में खलनायक बीस्ट के रूप में शानदार वापसी की। अभिनेता के निधन पर दुख जताते हुए 'कुंग फू हसल' के निर्देशक और अभिनेता स्टीफन चाउ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'श्री लियुंग सिउ-लंग को हमेशा याद रखेंगे। दिग्गज अभिनेता जैकी चैन ने भी सोशल मीडिया पर दिवंगत अभिनेता के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'एक पल के लिए तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ और मैं यकीन करना भी नहीं चाहता था। वे हमेशा से कुंग फू के उस्ताद थे, जो पारंपरिक मार्शल आर्ट की कई विधाओं में निपुण थे और हर विधा में अपनी अनूठी शैली को अभिव्यक्त करने में सक्षम थे।

टीवी मसाला

पोपटलाल की लव स्टोरी रेशमी से शादी की तो नहीं आया परिवार

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में काफी लंबे समय से इस बात का इंतजार हो रहा है कि पोपटलाल की शादी कब होगी। दर्शक भी पलकें बिछाएं उस दिन के इंतजार में हैं, जब पोपटलाल घोड़ी चढ़ेगा। पोपटलाल की शादी के लिए टीम जयपुर पहुंचने वाली है। वैसे आपको बताते हैं कि पोपटलाल का किरदार निभाने वाले श्याम पाठक असल जिंदगी में शादीशुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं। लेकिन, उनकी शादी में परिवार नहीं आया था। उनकी पत्नी का नाम रेशमी और वह तीन बच्चों के पिता हैं। श्याम पाठक का पूरा नाम श्याम नवनीत भाई पाठक है, और उनकी जिंदगी में एनएसडी का बेहद अहम रोल रहा है। दरअसल, यहीं पढ़ाई करते हुए उनकी मुलाकात अपनी जिंदगी के प्यार और हमसफर रेशमी से हुई थी। धीरे-धीरे श्याम पाठक और रेशमी एक-दूसरे को दिल दे बैठे और फिर शादी का फैसला कर लिया। हालांकि, बताया जाता है कि श्याम पाठक के घरवाले उनके इस रिश्ते के खिलाफ थे। दरअसल, श्याम पाठक गुजराती हैं और रेशमी केरल की रहने वाली हैं। दो अलग-अलग संस्कृति के कारण ही घरवाले श्याम पाठक और रेशमी की शादी के खिलाफ थे। रेशमी के घरवालों को भी यह रिश्ता नामंजूर था। ऐसे में श्याम पाठक ने एक रास्ता निकाला। श्याम पाठक को अंदाजा हो गया कि अगर उनके परिवार वाले इस रिश्ते के लिए मान भी गए, तो भी रेशमी का परिवार नहीं मानेगा।

द 50 का सामने आया नया प्रोमो

नई दिल्ली। चर्चित रियलिटी शो द 50 का एक नया प्रोमो जारी किया गया है। इसमें उस आलीशान घर का कोना-कोना दिखाया गया है, जहां पर शो के 50 कंटेस्टेंट्स आकर रहेंगे। इसमें कायदे-कानून भी बताए गए हैं। साथ ही ये भी खुलासा किया गया है कि अहम भूमिका लायन की ही रहेगी। 'द 50' के नए प्रोमो की शुरुआत आलीशान महल से होती है, जो बेहद कलरफुल है और काफी एंटीक चीजों से सजाया गया है। इंटीरियर काफी लुभाने वाला है। बैकग्राउंड में लायन की आवाज आती है, 'यहां का बस एक ही नियम होगा कि यहां कोई नियम नहीं होगा।' इस शो के दो रंग होंगे- एक ड्रामा और एक हंगामा। साथ ही एक कोर्टयार्ड होगा, जहां पर टास्क होगा, और वहीं तय होगा कि कौन रहेगा और कौन बाहर जाएगा। बिग बॉस की तरह, इस शो में लायन कंटेस्टेंट्स को कंट्रोल करेगा। और सभी पर नजर रखेगा। इसके अलावा, लायन की एक डेन (गुफा) भी होगा, जहां कंटेस्टेंट्स के बीच फेस-ऑफ होगा और उससे गेम में नया आयाम जुड़ेगा।

बॉर्डर 2 को बिना किसी कट के मिला सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट

मुंबई। सिनेमाघरों में 'बॉर्डर 2' रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई है और दो दिन में इसने करीह 3.34 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। 23 जनवरी को बड़े पर्दे पर उतारने से पहले इसे सेंसर बोर्ड के पास भेजा। जहां से इसको सर्टिफिकेट तो मिला ही। साथ ही कोई कट भी नहीं लगा। इसके अलावा, इसने रिलीज से पहले ही रनटाइम में धर्मेंद्र की हकीकत को पीछे कर दिया है। सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर 2 साल 1997 में आई 'बॉर्डर' का सीक्वल है। इसकी कहानी 1971 में भारत-पाकिस्तान की जंग पर आधारित है। इस वॉर ड्रामा फिल्म को बिना किसी कट के सेंसर बोर्ड ने पास कर दिया है और सर्टिफिकेट पर इसका रन टाइम 3 घंटे 16 मिनट लिखा है, जिससे ये बॉलीवुड की सबसे लंबी वॉर फिल्मों से एक बन गई है।

रन टाइम में हकीकत को छोड़ा पीछे

अनुराग सिंह की डायरेक्टेड इस मूवी में सनी भारतीय सेना की 6वीं सिख रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर की भूमिका निभाएंगे। वहीं, वरुण धवन मेजर होशियार सिंह दहिया, दिलजीत फ्लाइंग जनरल ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों और अहान शेट्टी लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका में होंगे। बॉलीवुड की सबसे लंबी वॉर फिल्मों की बात करें तो उसमें जेपी दत्ता की 'एलओसीः कारगिल' है, जो 2003 में आई थी। इसरा रन टाइम 4 घंटे 15 मिनट था। हालांकि, ये फ्लॉप रही थी। 33 करोड़ के बजट में बनी इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर दुनियाभर में 31-32 करोड़ का ही कलेक्शन किया था। दूसरे नंबर पर धर्मेंद्र की हकीकत है, जो 1964 में आई थी। इसे चेतन आनंद ने डायरेक्ट किया था।

रंजीत के फिल्मों में आने का दिलचस्प है किस्सा

नई दिल्ली। बॉलीवुड में रंजीत एक विलेन के तौर पर मशहूर हुए हैं। हाल ही में उन्होंने अमर उजाला से खास बातचीत में अपने करियर और फिल्मों में आने को लेकर बात की है। एक्टर रंजीत हिंदी फिल्म का एक जाना माना नाम हैं। उन्होंने बॉलीवुड की लगभग 200 फिल्मों में काम किया है। दुलारा, करण अर्जुन, बॉर्डर, बुलन्दी और वेलकम उनकी कुछ खास फिल्में हैं। हाल ही में उन्होंने अमर उजाला से खास बातचीत की है। उन्होंने फिल्मों में आने और अपने करियर के बारे में कुछ खास बातें की हैं। उन्होंने बताया है कि जब उनके परिवार को पता चला कि वह फिल्मों में काम करते हैं तो उनका रिएक्शन कैसा था।

घर में फिल्म देखने का रिवाज नहीं था

रंजीत ने बातचीत में बताया 'मैं आपको सच बताता हूं। हमारे खानदान में फिल्म देखना तो दूर एक मैगजीन भी नहीं पकड़ सकते थे। मेरी फैमिली बहुत ऑर्थोडॉक्स थी। पहले मैंने एयरफोर्स ज्वाइन किया था। उसके बाद वहां से निकाल दिया गया। जब मैं हिंदू कॉलेज में था तो मैंने फिल्म इंडस्ट्री के बारे में सुना था। फिल्म कभी नहीं देखी थी। धर्मेंद्र और दिलीप कुमार जैसे कलाकारों के पोस्टर देखे थे। मैंने कभी फिल्मों में जाने का नहीं सोचा था। एक बार मैं अपने दोस्त के घर गया था। वहां पर मुझे एक आदमी मिला था। उनका नाम रणवीर सिंह था। वह हॉलीवुड से जुड़े थे। उन्होंने मुझे सीधे ऑफर किया कि क्या आप फिल्मों में काम करेंगे?

जो आदमी फ्रॉड लग रहा था उसी ने काम दिया

रंजीत ने आगे कहा 'मैंने सुना था कि कुछ लोग मुंबई से आते हैं और एक छोटे एड में काम देते हैं। इसके बाद निकाल देते हैं। इसके अलावा लड़कियों की फोटो ले लेते हैं और उनको परेशान करते हैं। लड़कों से वह बोलते हैं कि पैसा जमा करो वरना नुकसान हो जाएगा। पहले मुझे वह आदमी फ्रॉड लगा। हालांकि वह मेरे दोस्त के यहां था, तो लगा कि ठीक होगा। उसने मुझसे कहा कि लंच पर मिलते हैं फिर बात करेंगे। फिर उन्होंने मुझे बुलाया। उन्होंने मुझसे कहा कि ड्राइवर के साथ हेल्पर का रोल करने वाला एक लड़का चाहिए। फिर मुझे लगा कि अगर इसने मुझसे पैसे मांगे तो मैं इसके ऊपर हाथ उठा दूंगा। उसने पहली बार मुझसे बोला कि पिक्चर देखा करो। तो मैंने छिपकर पहली पिक्चर गाइड देखी। इसके बाद कनॉट प्लेस में मैंने कई फिल्में देखीं।

नई पीढ़ी भी रामकथा से जुड़ रही और उनके जीवन मूल्यों से ले रही प्रेरणा

पर्दे पर श्रीराम का किरदार निभाकर दर्शकों के चहेते बने ये सितारे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण भारतीय सिनेमा से लेकर बॉलीवुड और टेलीविजन जगत तक, विभिन्न माध्यमों ने श्रीराम के जीवन, संघर्ष और मर्यादा को समय-समय पर पर्दे पर उतारा है। सनातन धर्म की मूल आत्मा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम में निहित मानी जाती है। उनके आदर्श, जीवन-मूल्य और भक्ति के लिए दिए गए संदेश आज भी जन-जन के मार्गदर्शक हैं। कैलेंडर में 22 जनवरी की तिथि का विशेष धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। वर्ष 2024 में इसी दिन अयोध्या स्थित राम मंदिर में रामलला की भव्य प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई थी। भगवान श्रीराम की कृपा, उनके चमत्कार और आदर्शों की गूंज केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रही है। दक्षिण भारतीय सिनेमा से लेकर बॉलीवुड और टेलीविजन जगत तक, विभिन्न माध्यमों ने श्रीराम के जीवन, संघर्ष और मर्यादा को समय-समय पर पर्दे पर उतारा है। इन प्रस्तुतियों के जरिए नई पीढ़ी भी रामकथा से जुड़ रही है और उनके जीवन मूल्यों से प्रेरणा ले रही है।

एनटी रामा राव के नाम पर बने मंदिर

एनटी रामा राव ने राम के अलावा 17 फिल्मों में भगवान कृष्ण का किरदार निभाए। उन्होंने पहली बार 1963 की फिल्म लव कुस में भगवान राम की भूमिका निभाई थी। उन्होंने भगवान राम, भगवान शिव, भगवान कृष्ण और भगवान विष्णु को रोल फिल्मों में प्ले किया। जिसके बाद हैदराबाद में उनका घर एक तीर्थ स्थल माना जाने लगा. भक्त असली मंदिरों में जाने से पहले वहां मत्था टेकते थे। 1970 के दशक में आंध्र प्रदेश में उनके नाम पर आधा दर्जन मंदिर बने, जिनमें उन्हें राम और कृष्ण अवतार में दिखाया गया।

एनटीआर

अभिनेता एनटीआर (एन.टी. रामाराव) ने कई फिल्मों में भगवान राम की भूमिका निभाई, इनमें लव कुश, श्री रामानजनेय युद्धम और सीता राम कल्याणम जैसी फिल्में शामिल हैं। उन्होंने अन्य देवताओं की भूमिकाएं भी निभाईं, लेकिन राम भूमिका सबसे यादगार रही। साल 1997 में रिलीज हुई पौराणिक फिल्म बाला रामायणम में जूनियर एनटीआर ने बाल राम की भूमिका निभाई थी। वहीं, स्मिता माधव ने माता सीता का किरदार किया था। गुनाशेखर निर्देशित इस फिल्म ने उसी वर्ष सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। फिल्म रामायण की घटनाओं, खासकर वनवास की कथा को बच्चों के माध्यम से दिखाती है।

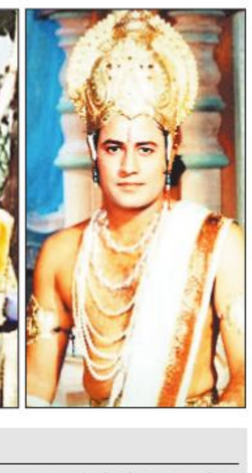

शोभन बाबू

साल 1972 में बनी फिल्म 'संपूर्ण रामायण' में शोभन बाबू ने राम और चंद्रकला ने सीता की भूमिका निभाई थी। वहीं, फिल्म श्री राम राज्यम'में नंदमुरी बालकृष्ण ने राम, नयनतारा ने सीता और श्रीकांत ने लक्ष्मण का किरदार निभाया था। साल 2006 में 'श्री राम दासू' में सुमन ने राम का किरदार निभाया, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही।

अरुण गोविल

हिंदी में अरुण गोविल को साल 1980 के दशक के 'रामायण' धारावाहिक में भगवान राम के किरदार के रूप में सबसे ज्यादा लोकप्रियता मिली। रामानंद सागर के इस धारावाहिक ने उन्हें घर-घर पहुंचाया। यही नहीं, आज भी लोग उन्हें उनके किरदार की वजह से दर्शक मान-सम्मान के साथ देखते हैं।

जितेन्द्र

अभिनेता जितेन्द्र ने साल 1987 में 'लव कुश' फिल्म में राम की भूमिका निभाई। फिल्म 'लव कुश' में जया प्रदा ने सीता और अरुण गोविल ने लक्ष्मण की भूमिका की थी। यह वाल्मीकि रामायण के उत्तर कांड पर आधारित थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं रही।

गुरमीत चौधरी

भगवान राम का किरदार निभाने वाले सितारों की लिस्ट में अभिनेता गुरमीत चौधरी का भी नाम शामिल है। गुरमीत ने साल 2008-2009 के टीवी शो 'रामायण' में भगवान राम का किरदार निभाया, जिससे उन्हें खासी लोकप्रियता मिली। उनकी पत्नी देबिना बनर्जी ने शो में माता सीता का रोल किया था। इस भूमिका के बाद उन्हें 'मोस्ट प्रॉमिसिंग न्यू टैलेंट ऑफ टुमारो' पुरस्कार से नवाजा गया था।

विजय अभियान जारी रखने आज उतरेगा भारत, संजू व किशन पर होगी नजर

रायपुर

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साह से भरी भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए मैदान पर उतरेगी जिसमें शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन की भूमिका पर निगाह टिकी रहेगी।

वनडे श्रृंखला में हारने के बाद भारत ने नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 48 रन से शानदार जीत हासिल की थी लेकिन उस मैच में सैमसन और किशन बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा पाए थे। सैमसन हाल में अंतिम एकादश से अंदर बाहर होते रहे हैं लेकिन अब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें निश्चित रूप से लंबा मौका मिलेगा।

टीम प्रबंधन के भरोसे पर किशन को खरा उतरना होगा

श्रृंखला के पहले मैच में आसानी से अपना विकेट गंवाने वाले सैमसन अपने विभिन्न तरह के शॉट का शानदार नमूना पेश करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जिनके दम पर उन्होंने सबसे छोटे प्रारूप में तीन शतक बनाए हैं। एक और बल्लेबाज जिसे टीम प्रबंधन के भरोसे को सही साबित करने की जरूरत है, वह है किशन, जिन्हें विश्व कप के लिए टीम में शामिल किया गया है और नागपुर में पहले मैच में श्रेयस अय्यर पर उन्हें प्राथमिकता दी गई थी

कप्तान सूर्यकुमार यादव का आत्मविश्वास कुछ बढ़ा होगा

आईसीसी टूर्नामेंट से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म पर सबकी नजरें टिकी हुई थीं और भले ही वह कोई बड़ा योगदान नहीं दे सके, लेकिन 22 गेंदों में बनाए गए 32 रन ने उनके आत्मविश्वास को कुछ हद तक जरूर बढ़ाया होगा। पहले टी20 में मिली शानदार जीत से व्यक्तिगत तौर पर सुधार के कई क्षेत्र सामने आए।

अभिषेक को आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखनी होगी

अगर भारत को टी20 विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनना है तो अभिषेक शर्मा को बुधवार रात की तरह ही शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखनी होगी। यह बाएं हाथ का बल्लेबाज अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नजर आ रहा है और उन्होंने लगभग हर गेंद को मैदान से बाहर पहुंचाने की शानदार क्षमता दिखाई है।

खास बातें

- रायपुर में आज खेला जाएगा दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला
- पहले मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 48 रन से जीत हासिल की थीं
- मैच में सैमसन व ईशान के बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा था

भारत का गेंदबाजी विभाग काफी संतुलित

निचले क्रम में रिंकू सिंह की टीम में वापसी और आते ही शानदार प्रदर्शन करना भारत के लिए एक और बड़ा सकारात्मक पहलू है। कुलदीप यादव की अनुपस्थिति में भी गेंदबाजी विभाग काफी संतुलित नजर आता है।

बुमराह को पावरप्ले में किया जा सकता है इस्तेमाल

अगर अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या पावरप्ले में विकेट लेते रहते हैं तो जसप्रीत बुमराह को पावरप्ले के बाद तीन ओवरों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे टीम को बीच के ओवरों के लिए एक अतिरिक्त विकल्प मिल जाएगा।

रायपुर में भी ओस पड़ने की संभावना

भारत ने नागपुर में बड़ा स्कोर बनाया था जिससे वह ओस का प्रभाव कम करने में सफल रहा। यहां भी ओस पड़ने की संभावना है और कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं होगा, जैसा कि दक्षिण अफ्रीका ने पिछले महीने दिखाया था, जब उन्होंने एक वनडे मैच में भारत के खिलाफ 359 रन का पीछा काफी आसानी से कर लिया था।

न्यूजीलैंड वापसी के लिए बेताब

न्यूजीलैंड जानता है कि गेंदबाजी के मोर्चे पर उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं था लेकिन उसकी टीम जल्द ही संभल जाती है और इसलिए वह वापसी करने के लिए बेताब होगी। डेवोन कॉनवे के हाल में आउट होने के तरीके को लेकर वे थोड़ा चिंतित होंगे, जिसमें वे बाहर जाती हुई गेंदों पर स्लिप कॉर्डन में कैच आउट हो जाते हैं।

टीम इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

मैच **शाम सात** बजे शुरू होगा।

खबर संक्षेप

तेंदुलकर ने की साइना नेहवाल की तारीफ

नई दिल्ली। महान क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने पूर्व विश्व नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की तारीफ करते हुए कहा कि आपका करियर इस बात का प्रमाण है कि महानता समय के साथ बनती है और उसकी विरासत केवल पदकों तक सीमित नहीं है। साइना ने पिछले दो साल से घुटने की चोट से परेशान रहने के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में प्रतिस्पर्धी बैडमिंटन से संन्यास की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि उनका शरीर अब उच्च स्तरीय खेल की जरूरतों को सहन नहीं कर सकता। हैदराबाद की इस 35 साल की खिलाड़ी ने 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। तेंदुलकर ने 'एक्स' पर लिखा, "प्रिय साइना, आपका करियर इस बात का प्रमाण है कि महानता एक-एक दिन के प्रयास, धैर्य, साहस और निरंतरता से बनती है। आपने भारतीय बैडमिंटन को विश्व स्तर पर पहुंचाया और दिखाया कि विश्वास, जब तैयारी के साथ जुड़ता है, तो किसी खेल की दिशा बदल सकता है। आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि पदकों से परे है।"

पोंजी स्कीम का शिकार बने पाकिस्तान के कई खिलाड़ी

कराची। पूर्व कप्तान बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाजी की अगुआई करने वाले शाहीन शाह अफरीदी सहित पाकिस्तान के कई शीर्ष क्रिकेटर कथित तौर पर एक 'पोंजी स्कीम' का शिकार हो गए हैं जिसमें उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। एक सूत्र ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों का कहना है कि यह मामला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के संज्ञान में आ गया है और बोर्ड इस कथित वित्तीय घोटाले की जांच कर रहा है। सूत्र के अनुसार करीब एक दर्जन मौजूदा खिलाड़ियों के साथ एक पूर्व टेस्ट कप्तान ने भी एक पाकिस्तानी कारोबारी के पास बड़ी रकम निवेश की थी और अब यह व्यवसायी देश छोड़कर जा चुका है।

भारत के पूर्व डिफेंडर पाशा का निधन

नई दिल्ली। भारत और ईस्ट बंगाल के पूर्व डिफेंडर इलियास पाशा का बृहस्पतिवार को यहां लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 61 साल के थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटियां और दो बेटे हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पाशा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। पाशा का नाम कर्नाटक के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार है। समर्पित और मृदुभाषी खिलाड़ी पाशा ने डिफेंस में अपना दबदबा कायम किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाशा ने 27 जनवरी 1987 को कोझिकोड में नेहरू कप के दौरान बुल्गारिया के खिलाफ भारत के लिए पदार्पण किया।

ऑस्ट्रेलिया ओपन : जोकोविच ने सीधे सेटो में फ्रांसेस्को को दी मात

जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 399वीं जीत से तीसरे दौर में, सिनर भी जीते

नोवाक ने पहली बार टूर्नामेंट में अपनी सर्विस गंवाई

सिनर ने जेम्स डकवर्थ को तीन सेटो में सीधे हराया

एजेंसी मेलबर्न

रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में जगह बनाई जबकि दो बार के मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर भी आगे बढ़ने में सफल रहे। जोकोविच ने वर्तमान टूर्नामेंट में पहली बार अपनी सर्विस गंवाई लेकिन इसके बाद उन्होंने कोई चूक नहीं दिखाई और दूसरे दौर के मैच में फ्रांसेस्को मैस्ट्रेली को 6-3, 6-2, 6-2 से पराजित किया। यह ग्रैंड स्लैम एकल मैच में जोकोविच की 399वीं जीत है। इस तरह से रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता को 400 जीत तक पहुंचने वाला पहला खिलाड़ी बनने के लिए अब केवल एक और जीत की जरूरत है।

जोकोविच 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने की कवायद में

वह मेलबर्न पार्क में अपना 11वां और कुल मिलाकर 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में हैं। जोकोविच ने अपने प्रतिद्वंद्वी के बारे में कहा, "कल तक मैं उसके बारे में ज्यादा नहीं जानता था। उसकी सर्विस दमदार है। उसका खेल भी शानदार है। उसे बड़े मंच पर खेलने का अनुभव भले ही कम हो, लेकिन उसमें बड़े शॉट लगाने की क्षमता है।" तीसरे दौर में जोकोविच का सामना बोटिक वैन डे जैंड्सचल्प से होगा, जिन्होंने शांग जुनचेंग को 7-6 (6), 6-2, 6-3 से हराया। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक ने मैरी बोजकोवा को 6-2, 6-3 से हराया जबकि मार्गरेट कोर्ट एरिना में खेले गए रात्रि मैच का अंत बेहद तनावपूर्ण रहा, जिसमें नाओमी ओसाका ने सोराना सिर्स्टिया को 6-3, 4-6, 6-2 से पराजित किया।

मौजूदा महिला चैंपियन कीव को मिली कड़ी चुनौती

महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज को दूसरे सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन आखिर में उन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी एशलीन क्रूगर को 6-1, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। पहले सेट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद नौवीं वरीयता प्राप्त कीज दूसरे सेट में 5-2 से पिछड़ गईं, लेकिन जॉन केन एरिना में उन्होंने जोरदार वापसी करने का शानदार नमूना पेश किया और लगातार पांच अंक हासिल करके जीत दर्ज की।

सिनर तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में

इसके कुछ ही समय बाद सिनर ने जेम्स डकवर्थ पर दो घंटे से भी कम समय में 6-1, 6-4, 6-2 से जीत हासिल करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन में लगातार तीसरा खिताब जीतने की अपनी कोशिश जारी रखी। जोकोविच ने तीसरे सेट के छठे गेम में सर्विस गंवाई लेकिन अगले गेम में उन्होंने मैस्ट्रेली की सर्विस तोड़कर 5-2 की बढ़त बना ली। बाद में जोकोविच ने लगातार आठ अंक जीतकर मैच अपने नाम किया।

टाटा स्टील मास्टर्स

गुकेश ने चेक के गुयेन को हराया फेडोसीव ने एरिगैसी को चौंकाया

एजेंसी विज्क आन जी (नीदरलैंड)

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने लगातार चार ड्रॉ मुकाबलों के बाद टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन को हराकर पहली जीत दर्ज की जबकि अर्जुन एरिगैसी को स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव के हाथों चौंकाने वाली हार झेलनी पड़ी। एरिगैसी ने इस हार के कारण अपनी संयुक्त बढ़त गंवा दी। बृहस्पतिवार को शुरुआती विश्राम दिवस से ठीक पहले मिली इस जीत के साथ गुकेश ने पांच में से तीन अंक हासिल कर लिए और तीन खिलाड़ियों से पीछे संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए।

अमेरिका के हांस नीमन और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा जबकि अब्दुसत्तोरोव के हमवतन और विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव ने कड़ी टक्कर के बाद युवा यागिज काआन एरदोगमुस को हराया।

तीन खिलाड़ी 3.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर

तीन खिलाड़ी 3.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं जबकि गुकेश फेडोसीव और नीदरलैंड के खिलाड़ी जॉर्डन वान फोरेस्ट के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। 114 खिलाड़ियों के 13 दौर वाले इस टूर्नामेंट में अभी नौ दौर बाकी हैं। एरिगैसी 2.5 अंकों के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर खिसक गए हैं। वह दो अन्य भारतीयों अरविंद चिदंबरम और आर. प्रज्ञानानंदा से एक अंक आगे हैं। गुकेश ने काले मोहरों से दबाव के बीच 51 चाल में जीत दर्ज करने के बाद कहा, "यह एक अच्छी जद्दोजहद थी।"

महिला प्रीमियर लीग

डिवाइन के हरफनमौला खेल से गुजरात ने यूपी वॉरियर्स को 45 रन से हराया

जाएंट्स की तीसरी जीत

सोफी की फिफ्टी और 2 विकेट

एजेंसी वडोदरा

सोफी डिवाइन के हरफनमौला खेल से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग टी-20 मुकाबले में बृहस्पतिवार को यहां यूपी वॉरियर्स को 45 रन से शिकस्त देकर लगातार तीन हार के बाद जीत का स्वाद चखा। डिवाइन ने नाबाद 50 रन की संयमित पारी खेलने के बाद गेंदबाजी में भी कमाल करते हुए 16 रन देकर दो विकेट चटकाये। गुजरात जायंट्स ने आठ विकेट पर 153 रन बनाने के बाद यूपी वॉरियर्स को 108 रन पर आउट कर दिया। इस जीत के बाद गुजरात छह अंक के साथ तालिका में दूसरे जबकि यूपी वॉरियर्स चार अंक के साथ पांचवें और आखिरी पायदान पर है। गुजरात के लिए राजेश्वरी ने भी 16 रन देकर तीन विकेट झटक कर टीम में अपनी वापसी को यादगार बनाया। रेणुका सिंह ने भी दो सफलता हासिल की। यूपी के लिए फोबे लिचफील्ड ने 32 और क्लो ट्रायोन ने नाबाद 30 रन का योगदान दिया। इससे पहले डिवाइन ने पिछले तीन मैचों की लचर प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 42 गेंद की नाबाद पारी में तीन छक्के और दो चौके लगाये। न्यूजीलैंड की यह अनुभवी खिलाड़ी पारी की शुरुआत में रन आउट होने से बचीं और बाद में 35 रन पर नो-बॉल पर उनका कैच भी छूटा। उन्होंने इसका पूरा लाभ उठाते हुए अंतिम ओवर में शिखा पांडे की गेंदों पर दो छक्के जड़कर जायंट्स को 150 रन के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वॉरियर्स को पहले ओवर में ही किरण नवगिरे के निराशाजनक तरीके से आउट से बड़ा झटका लगा।

पेस ने किया गोल्फ का रुख, चैंपियन तैयार करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने अब अपना ध्यान गोल्फ की ओर करते हुए विभिन्न खेलों में ओलंपिक चैंपियनों को तैयार करने का लक्ष्य बनाया है। अठारह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन पेस ने देश में उभरती गोल्फ प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू), 'प्रोफेशनल गोल्फर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (पीजीएआई) और 'द गोल्फ फाउंडेशन' (टीजीएफ) के साथ साझेदारी की है। इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) ने बृहस्पतिवार को आईजीयू, पीजीएआई और टीजीएफ के सहयोग से 'गोल्फ ग्रोथ इनिशिएटिव' का शुभारंभ किया, जो भारतीय गोल्फ खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करने की दिशा में एक अहम पहल है।

युकी मिश्रित युगल के पहले दौर में बाहर

मेलबर्न। भारत के युकी भांबरी और उनकी अमेरिकी साथी निकोल मेलिचर-मार्टिनेज गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल के पहले दौर में जर्मनी के टिम पुट्ज़ और चीन की झांग शुआई की जोड़ी से हार गए। भांबरी और मेलिचर-मार्टिनेज को पुट्ज़ और शुआई की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 6-3 1-6 (10-6) से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि साल के पहले ग्रैंड स्लैम में भांबरी का अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है क्योंकि वह पुरुष युगल स्पर्धा में मुकाबले में बने हुए हैं। युकी और स्वीडन के उनके साथी आंद्रे गोरानसन ने बुधवार को पुरुष युगल के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ और क्रूज़ हेविट को 6-3 6-4 से पराजित किया था।

सिंधू-लक्ष्य इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी जकार्ता

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने बृहस्पतिवार को यहां सीधे गेम में जीत हासिल करके इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य ने हांगकांग के जेसन गुनावन को आधे घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-10 21-11 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप (2021) के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य के सामने थाईलैंड की उभरती प्रतिभा पनीचाफोन टीरारत्सकुल की चुनौती होगी। टीरारत्सकुल ने पेरिस में कांस्य पदक जीतने वाली मलेशिया की ली जी जिया को हराया था। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में

सिंधू ने डेनमार्क की होजमार्क को 21-19, 21-18 से हराया

डेनमार्क की अपनी जानी-पहचानी प्रतिद्वंदी लाइन होजमार्क कजेरफेल्ड पर 21-19 21-18 से जीत दर्ज की।

लक्ष्य ने हांगकांग के जेसन को सीधे सेटो में हराया

यह मैच 43 मिनट तक चला। डेनमार्क की खिलाड़ी के खिलाफ अब तक हुए छह मुकाबलों में सिंधू की यह पांचवीं जीत थी। सिंधू का अगला मुकाबला टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व की नंबर चार खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई से होगा। सिंधू और फेई अब तक 13 बार एक-दूसरे का सामना कर चुकी हैं। कुल रिकॉर्ड में फेई का पलड़ा 7-6 से थोड़ा भारी है।

श्रीकांत चीन ताइपे के चेन से हारे

भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी बार 2019 में फेई को हराया था और वह इस रिकॉर्ड को बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगी। पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखा सके और प्री-क्वार्टर फाइनल के एकतरफा मुकाबले में चीनी ताइपे के चाउ तिएन चेन से 11-21 10-21 से हार गए।

आईसीसी ने मैच स्थल बदलने की मांग खारिज कर दी थी

बांग्लादेश को अब भी आईसीसी से न्याय की उम्मीद

भारत में टी20 विश्वकप नहीं खेलने पर अड़ा

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार को कड़ा रुख अपनाते हुए अगले महीने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम भेजने से इनकार कर दिया क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उसकी मैच स्थल बदलने की मांग को खारिज कर दिया था। इस फैसले से स्कॉटलैंड के लिए टूर्नामेंट में बांग्लादेश की जगह लेने का रास्ता साफ हो गया। विश्व संस्था ने बुधवार को बांग्लादेश को अल्टीमेटम दिया था कि या तो वह भारत जाने के लिए सहमत हो या फिर उनकी जगह किसी और टीम को ले लिया जाएगा।

गुरुवार तक दिया गया था समय

आईसीसी ने कहा कि भारत में उनके खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था। बांग्लादेश को बृहस्पतिवार तक फैसला लेने का समय दिया गया था। स्कॉटलैंड टीम सात फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए रैंकिंग के आधार पर अगले विकल्प में शामिल है।

आईसीसी का रुख स्वीकार नहीं

हालांकि एक कड़ा रुख अपनाते हुए बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के साथ बैठक के बाद घोषणा की कि आईसीसी का रुख उन्हें स्वीकार्य नहीं है। नजरुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा और स्पष्ट किया कि देश भारत में मैच नहीं खेलेगा।

भारत में खेलने को लेकर खतरा अब भी बना हुआ

नजरुल ने कहा, "हालांकि हमारे क्रिकेटरों ने विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए कड़ी मेहनत की है लेकिन भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा का खतरा अब भी बना हुआ है। यह चिंता किसी काल्पनिक विश्लेषण पर आधारित नहीं है।" उन्होंने कहा, "हम इस बात से आश्वस्त नहीं हैं कि वे हमारी पूरी टीम, पत्रकारों और दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।" सलाहकार ने कहा, "हमने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। हमारी टीम तैयार है। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमारे वास्तविक सुरक्षा जोखिमों पर विचार करके हमें श्रीलंका में खेलने की इजाजत देकर न्याय करेगा।"

1.5 लाख करोड़ बैंक फ्रॉड मामला: सुप्रीम कोर्ट सख्त, अनिल अंबानी से जवाब तलब

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े कथित बैंक फ्रॉड मामलों में से एक को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये के इस मामले में शीर्ष अदालत ने उद्योगपति अनिल अंबानी और उनके समूह से जवाब (काउंटर एफिडेविट) दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह आदेश एक जनहित याचिका (PIL) पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें इस पूरे कथित घोटाले की कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। यह मामला चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई में है। अदालत ने इससे पहले ही इस प्रकरण में नोटिस जारी कर दिया था और अब अनिल अंबानी तथा अनिल अंबानी समूह से स्पष्ट रूप से अपना पक्ष रखने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में जांच एजेंसियों पर भी सख्ती दिखाई है। अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) को आदेश दिया है कि वे इस कथित बैंक फ्रॉड से जुड़ी अब तक की जांच की स्टेटस रिपोर्ट अदालत में दाखिल करें। कोर्ट ने यह भी कहा है कि यदि जांच अभी पूरी नहीं हुई है या रिपोर्ट सार्वजनिक करने योग्य स्थिति में नहीं है, तो एजेंसियां उसे सीलबंद लिफाफे में जमा कर सकती हैं। यह जनहित याचिका ईएएस सरमा, जो कि पूर्व आईएएस अधिकारी हैं, द्वारा दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि अनिल अंबानी ने सरकार और कुछ बैंक अधिकारियों की कथित मिलीभगत से अपने सहयोगी और समूह से जुड़ी कंपनियों को जानबूझकर दिवालिया घोषित कराया। इससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों को करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा। याचिका में यह भी कहा गया है

कि इस पूरे घटनाक्रम में कर्ज देने की प्रक्रिया, ऋण पुनर्गठन, गारंटी और बाद में कंपनियों के दिवालिया होने की परिस्थितियां संदेह के घेरे में हैं। आरोप है कि नियमों की अनदेखी कर बड़े पैमाने पर ऋण स्वीकृत किए गए और बाद में उन्हें वसूलने में गंभीर लापरवाही बरती गई। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संकेत दिया है कि यदि आवश्यक हुआ तो जांच के दायरे को और विस्तृत किया जा सकता है। कोर्ट का कहना है कि इतने बड़े सार्वजनिक धन से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही बेहद जरूरी है। अदालत यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि जांच निष्पक्ष हो और किसी भी स्तर पर प्रभाव या दबाव न डाला जाए। अब सबकी नजरें अनिल अंबानी और उनके समूह द्वारा दाखिल किए जाने वाले जवाब और CBI व ED की स्टेटस रिपोर्ट पर टिकी हैं। आने वाली सुनवाइयों में यह मामला किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

तिरुवनंतपुरम से बदलेगी केरल की राजनीति:

-पीएम मोदी बोले—जैसे अहमदाबाद से गुजरात जीता, वैसे ही यहां से केरल जीतेंगे

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में करीब 55 मिनट के अपने भाषण में बड़ा राजनीतिक संकेत दिया। उन्होंने कहा कि केरल में भाजपा सरकार की नींव पड़ चुकी है और जिस तरह 1987 में अहमदाबाद से गुजरात में बदलाव की शुरुआत हुई थी, उसी तरह तिरुवनंतपुरम से केरल में भाजपा की जीत का रास्ता खुलेगा। पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा, "केरल में मुझे नई उम्मीद दिखाई दे रही है। आपका जोश और उत्साह यह भरोसा दिलाता है कि अब यहां बदलाव होकर रहेगा। लेफ्टिस्ट इको-सिस्टम को मेरी बातें शायद पसंद न आएं, लेकिन मैं तर्क और तथ्यों के साथ अपनी बात रखूंगा।" उन्होंने साफ तौर पर संकेत दिया कि केरल की राजनीति में दशकों से जमी वामपंथी व्यवस्था अब चुनौती के दौर में है।

1987 का अहमदाबाद और आज का तिरुवनंतपुरम-

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में गुजरात के राजनीतिक इतिहास का उदाहरण देते हुए कहा कि 1987 से पहले भाजपा गुजरात में एक हाशिए की पार्टी मानी जाती थी। अखबारों में पार्टी का नाम तक मुश्किल से छपता था। लेकिन 1987 में जब भाजपा ने पहली बार अहमदाबाद नगर निगम में जीत हासिल की, तो वही जीत आगे चलकर राज्य की राजनीति का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। मोदी ने कहा, "जैसे 1987 में अहमदाबाद से गुजरात में भाजपा की नींव पड़ी थी, वैसे ही आज तिरुवनंतपुरम से केरल में भाजपा की नींव पड़ गई है।" उनका यह बयान सिर्फ तुलना नहीं, बल्कि आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक रणनीतिक संदेश भी माना जा रहा है।

गुजरात का राजनीतिक सफर: एक मिसाल-

गुजरात राज्य का गठन 1 मई 1960 को हुआ था और पहला विधानसभा चुनाव 1962 में हुआ। 1960 से 1995 तक करीब 35 वर्षों तक कांग्रेस की सरकार राज्य में बनी रही। भाजपा लंबे समय तक सत्ता से दूर रही, लेकिन संगठन मजबूत करने और जमीनी स्तर पर काम करने का सिलसिला चलता रहा। 1987 में अहमदाबाद नगर निगम की जीत ने भाजपा को नई ऊर्जा दी। इसके बाद 1990 में जनता दल के साथ मिलकर भाजपा ने संयुक्त सरकार बनाई। हालांकि वह सरकार पूरी तरह स्थिर नहीं रही, लेकिन 1995 में भाजपा ने पूर्ण बहुमत से सरकार बनाकर इतिहास रच दिया। तब से लेकर आज तक भाजपा गुजरात की सत्ता में बनी हुई है। पीएम मोदी का इशारा यही था कि केरल में भी इसी तरह का राजनीतिक सफर दोहराया जा सकता है।

तिरुवनंतपुरम को 'एंट्री गेट' क्यों बताया-

प्रधानमंत्री मोदी ने तिरुवनंतपुरम को केरल में भाजपा के लिए 'एंट्री गेट' यानी प्रवेश द्वार बताया। इसकी वजह हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों के नतीजे हैं। पिछले साल 9 दिसंबर को आए केरल नगर निगम चुनाव परिणामों में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों में से भाजपा ने 50 वार्डों में जीत दर्ज की। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि पिछले 45 वर्षों से इस नगर निगम पर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) का कब्जा था। इस चुनाव में LDF को 29 और कांग्रेस के नेतृत्व वाले UDF को 19 वार्डों में सफलता मिली। पहली बार केरल के इतिहास में भाजपा का मेयर बना, जिसे पार्टी के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

शशि थरूर के गढ़ में सेंध-

तिरुवनंतपुरम को कांग्रेस सांसद शशि थरूर का गढ़ माना जाता है। ऐसे क्षेत्र में भाजपा का मजबूत प्रदर्शन करना यह संकेत देता है कि राज्य की राजनीति में पारंपरिक ध्रुवीकरण कमजोर पड़ रहा है। पीएम मोदी ने इसी संदर्भ में कहा कि केरल की जनता अब नए विकल्प की तलाश में है और भाजपा उस विकल्प के रूप में उभर रही है।

विधानसभा चुनावों से पहले बड़ा संदेश-

केरल में इसी साल अप्रैल-मई के दौरान विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में पीएम मोदी का यह बयान केवल उत्साहवर्धन नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है। भाजपा नेतृत्व यह संदेश देना चाहता है कि जिस तरह गुजरात में नगर निगम से सत्ता तक का सफर तय हुआ, उसी तरह केरल में भी स्थानीय निकायों से विधानसभा तक पहुंचने की तैयारी है।

उत्तर भारत में मौसम का कहर: राजस्थान-UP में बारिश, शिमला-मनाली में पहली बर्फबारी

-श्रीनगर एयरपोर्ट बंद, वैष्णो देवी यात्रा रुकी

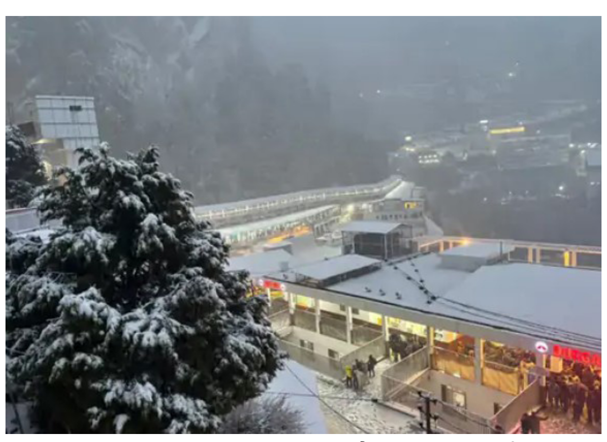

देहरादून/शिमला। उत्तर भारत में एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली है। पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के सक्रिय होने से राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली समेत कई राज्यों में देर रात से बारिश का दौर जारी है। तेज हवाओं के साथ हो रही बारिश के कारण कई जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और ठंड का असर बढ़ गया है। लोगों को सुबह-शाम ठिठुरन का सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में अचानक हुई बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। सर्द हवाओं के साथ बूंदाबांदी ने ठंड को और बढ़ा दिया है। खेतों में खड़ी फसलों पर बारिश का मिला-जुला असर पड़ सकता है। जहां कुछ इलाकों में गेहूं और सरसों जैसी रबी फसलों को फायदा होने की उम्मीद है, वहीं ज्यादा बारिश से नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है। हिमालयी राज्यों में मौसम का मिजाज और भी सख्त हो गया है। हिमाचल प्रदेश के शिमला और मनाली में सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई है। इससे करीब साढ़े तीन महीने से चला आ रहा ड्राई स्पेल खत्म हो गया है। पहाड़ों पर ताजा बर्फबारी से न केवल मौसम सुहावना हुआ है, बल्कि पर्यटन कारोबार को भी नई उम्मीद मिली है। हालांकि, बर्फबारी के कारण कई जगह सड़कों पर फिसलन बढ़ गई है और यातायात प्रभावित हुआ है। जम्मू-कश्मीर में हालात और ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गए हैं। मैदानी और पहाड़ी जिलों में लगातार बर्फबारी हो रही है। श्रीनगर एयरपोर्ट पर करीब 4 इंच तक बर्फ जम जाने के कारण शुक्रवार के लिए सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं। श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे भी बंद है, जिससे कश्मीर घाटी का संपर्क बाकी इलाकों से कट गया है। नवयुग टनल के पास ट्रैफिक रोक दिया गया है, जबकि मुगल रोड और सिंथन रोड भी बंद कर दी गई हैं। कटरा में बर्फबारी की वजह से माता वैष्णो देवी की यात्रा को एहतियातन रोक दिया गया है। सुरक्षा और श्रद्धालुओं की जान को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। वहीं, राजौरी, पुंछ और कठुआ जिलों में मौसम की खराब स्थिति को देखते हुए स्कूलों को बंद कर दिया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 26 जनवरी को एक और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाला है। इसके असर से उत्तर भारत के करीब 9 राज्यों में बारिश और पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी की संभावना जताई गई है। इससे तापमान में और गिरावट आ सकती है और पाला व कोल्डवेव जैसे हालात बन सकते हैं। पश्चिमी विक्षोभ दरअसल पश्चिम दिशा से आने वाली ठंडी हवाओं और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके सक्रिय होते ही पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश होती है।

राष्ट्रपति पद और प्रॉफिट का खेल:

-ट्रम्प की संपत्ति एक साल में ₹12,800 करोड़ बढ़ी, भारत में 8 प्रोजेक्ट

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दावोस सम्मेलन में दावा किया कि वे अमेरिका को "फिर से महान और अमीर" बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी नीतियों और सख्त टैरिफ फैसलों की वजह से अमेरिका में करीब 16.48 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। ट्रम्प ने इसे अपनी आर्थिक रणनीति की बड़ी कामयाबी बताया। हालांकि, इसी दावे के बीच न्यूयॉर्क टाइम्स (NYT) की एक रिपोर्ट ने उनकी नीतियों और निजी फायदे को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 20 जनवरी को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प के टैरिफ वॉर का सीधा बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ा। महंगाई और रोजमर्रा की चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी से आम जनता परेशान रही, जबकि इस दौरान ट्रम्प की निजी संपत्ति में जबरदस्त इजाफा हुआ। NYT के अनुसार, जनवरी 2025 में दोबारा व्हाइट हाउस लौटने के बाद पिछले एक साल में ट्रम्प की संपत्ति कम से कम 12,810 करोड़ रुपये बढ़ी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह आंकड़ा न्यूनतम है, क्योंकि कई सौदे और मुनाफे सार्वजनिक रिकॉर्ड में शामिल नहीं हैं। यानी असली कमाई इससे कहीं ज्यादा हो सकती है। रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि राष्ट्रपति पद पर रहते हुए ट्रम्प की ब्रांड वैल्यू और फैमिली बिजनेस को वैश्विक स्तर पर फायदा मिला। सरकारी ताकत, अंतरराष्ट्रीय पहचान और राजनीतिक प्रभाव ने उनके कारोबारी हितों को मजबूत किया। आलोचकों का कहना है कि यह हितों के टकराव (कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट) का साफ उदाहरण है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में भी ट्रम्प-ब्रांड का विस्तार जारी है। देश में 8 ट्रम्प-ब्रांडेड प्रोजेक्ट्स या तो चल रहे हैं या प्लानिंग स्टेज में हैं।

फिल्म 'नजरिया' के नाम पर 40 लाख की ठगी का आरोप, पलाश मुच्छाल पर गंभीर शिकायत

मुंबई। म्यूजिक कंपोजर और फिल्ममेकर पलाश मुच्छाल एक बार फिर विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। उन पर 40 लाख रुपये की धोखाधड़ी का गंभीर आरोप लगाया गया है। यह शिकायत महाराष्ट्र के सांगली जिले के रहने वाले एक्टर और प्रोड्यूसर वैभव माने ने पुलिस में दर्ज कराई है। आरोप है कि फिल्म प्रोजेक्ट के नाम पर उनसे बड़ी रकम ली गई, लेकिन न तो फिल्म पूरी हुई और न ही उनका पैसा वापस किया गया। पुलिस के अनुसार, वैभव माने ने मंगलवार को सांगली के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को एक लिखित आवेदन सौंपकर पलाश मुच्छाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। हालांकि, फिलहाल इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और पुलिस प्राथमिक जांच कर रही है। शिकायत में बताया गया है कि 5 दिसंबर 2023 को सांगली में पलाश मुच्छाल और वैभव माने की पहली मुलाकात हुई थी। इस दौरान वैभव माने ने फिल्म प्रोडक्शन में निवेश करने की इच्छा जताई थी। आरोप है कि पलाश मुच्छाल ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'नजरिया' में प्रोड्यूसर के तौर पर निवेश करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने यह भी दावा किया कि फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के बाद निवेश पर अच्छा मुनाफा मिलेगा। वैभव माने के अनुसार, पलाश मुच्छाल ने 25 लाख रुपये के निवेश पर 12 लाख रुपये का प्रॉफिट देने का वादा किया था। इसके साथ ही फिल्म में एक भूमिका देने का ऑफर भी दिया गया था, जिससे माने को बतौर एक्टर पहचान मिल सके। इन आश्वासनों के बाद दोनों के बीच दो बार और मुलाकात हुई। शिकायत के मुताबिक, मार्च 2025 तक वैभव माने ने अलग-अलग किस्तों में कुल 40 लाख रुपये पलाश मुच्छाल को दिए। यह रकम फिल्म 'नजरिया' के प्रोडक्शन और अन्य खर्चों के नाम पर ली गई थी। लेकिन समय बीतने के बावजूद न तो फिल्म पूरी हुई और न ही इसके रिलीज को लेकर कोई ठोस जानकारी दी गई।

माने का आरोप है कि जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो पलाश मुच्छाल की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। लगातार टालमटोल के बाद आखिरकार उन्होंने पुलिस का रुख किया और सांगली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की प्राथमिक जांच शुरू कर दी गई है। सभी तथ्यों, लेन-देन और आरोपों की बारीकी से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही एफआईआर दर्ज करने या आगे की कानूनी कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। गौरतलब है कि पलाश मुच्छाल हाल ही में अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में रहे थे। बताया जाता है कि करीब दो महीने पहले क्रिकेटर स्मृति मंधाना से उनकी शादी टूटने की खबरें सामने आई थीं। अब इस कथित फ्रॉड मामले ने उनके लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। जांच के नतीजों पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ड्रोन जंग: भारत की एंटी-ड्रोन शील्ड की अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ जंग का एक नया, खतरनाक और अपेक्षाकृत सस्ता मॉडल अपनाया है। यह पारंपरिक युद्ध नहीं, बल्कि तकनीक आधारित लो-लेवल ड्रोन वारफेयर है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर के बाद से अब तक पाकिस्तान की ओर से 800 से ज्यादा ड्रोन भारतीय हवाई सीमा में भेजे जा चुके हैं। इनमें से भारतीय सुरक्षा बलों ने करीब 240 ड्रोन मार गिराए, जबकि कई ड्रोन अपने मकसद में आंशिक रूप से सफल भी रहे।

ड्रोन क्यों बने पाकिस्तान की नई रणनीति?-

सैन्य जानकारों के अनुसार, यह ड्रोन गतिविधि सिर्फ तस्करी या आतंकी मदद तक सीमित नहीं है। इसका बड़ा मकसद भारत की एयर डिफेंस और एंटी-ड्रोन शील्ड को परखना है। ये ड्रोन बहुत कम ऊंचाई पर उड़ते हैं, जिससे पारंपरिक रडार सिस्टम को चकमा देना आसान हो जाता है। इसी वजह से इसे "लो-लेवल ड्रोन युद्ध" कहा जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि पाकिस्तान यह समझने की कोशिश कर रहा है कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था में कहां-कहां कमजोरी है, कौन-सा इलाका ज्यादा संवेदनशील है और किस तरह के ड्रोन कितनी दूरी तक बिना पकड़े उड़ सकते हैं।

राजस्थान और पंजाब सीमा पर सबसे ज्यादा हलचल-

ड्रोन घुसपैठ की ज्यादातर घटनाएं राजस्थान और पंजाब की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दर्ज की गई हैं। इन इलाकों में खुले मैदान और सीमित आबादी होने के कारण ड्रोन ऑपरेशन अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, 800 ड्रोन में से— 5 ड्रोन में हथियार या युद्ध से जुड़ा सामान मिला, 160 से ज्यादा ड्रोन किसी न किसी तरह का सामान गिराने के लिए भेजे गए, करीब 72 ड्रोन नशीले पदार्थ (ड्रग्स) लेकर आए, बड़ी संख्या में ड्रोन सिर्फ सर्विलांस यानी निगरानी के लिए इस्तेमाल किए गए, इस साल जनवरी से अब तक ही ड्रोन घुसपैठ की 12 घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जो इस खतरे की गंभीरता को दिखाती हैं।

आतंकियों की मदद और सर्विलांस का खेल-

सुरक्षा सूत्रों का कहना है कि ज्यादातर ड्रोन भारतीय सेना की तैनाती, मूवमेंट और पैटर्न की जानकारी जुटाने आए थे। इस तरह की सर्विलांस से पाकिस्तान सीमा पार बैठे आतंकियों के लिए घुसपैठ के रास्ते तलाशता रहा है। यानी ड्रोन सिर्फ हथियार या ड्रग्स लाने का जरिया नहीं, बल्कि आतंकवाद को सपोर्ट करने का एक अहम औजार बन चुके हैं।

भारत का कड़ा ऐतराज और सैन्य तैयारी-

सैन्य संचालन महानिदेशक (DGMO) स्तर पर हॉटलाइन के जरिए भारत ने पाकिस्तान के सामने ड्रोन गतिविधियों पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। साफ तौर पर कहा गया है कि इस तरह की हरकतें सीमा पर तनाव बढ़ाने वाली हैं और इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। साथ ही, एहतियात के तौर पर भारतीय सेना और वायु सेना अपनी काउंटर-ड्रोन क्षमता को तेजी से मजबूत कर रही हैं। भारत अब विदेशी सिस्टम पर निर्भर रहने के बजाय स्वदेशी रक्षा तकनीक को प्राथमिकता दे रहा है।

यूक्रेन युद्ध पर बड़ा कदम: अबू धाबी में आज रूस-यूक्रेन-अमेरिका की पहली त्रिपक्षीय वार्ता

अबू धाबी (एजेंसी)। यूक्रेन, रूस और अमेरिका के बीच आज अबू धाबी में एक अहम त्रिपक्षीय बातचीत होने जा रही है। यह बैठक 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के बाद पहली बार है, जब तीनों देश एक साथ बातचीत की मेज पर बैठेंगे। यह वार्ता दो दिनों तक चलेगी और अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिहाज़ से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ब्रिटिश अख़बार द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशर की मुलाकात हुई थी। इसी बैठक के बाद त्रिपक्षीय वार्ता को अंतिम रूप दिया गया। माना जा रहा है कि इस बातचीत के ज़रिए युद्ध को लेकर किसी समाधान की दिशा में पहल हो सकती है। रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी के निदेशक जनरल इगोर कोस्ट्यूकोव करेंगे। हालांकि, अबू धाबी में होने वाली इस बातचीत का पूरा एजेंडा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि इस दौरान रूसी और यूक्रेनी अधिकारी सीधे आमने-सामने बैठकर बातचीत करेंगे या नहीं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने जानकारी दी है कि यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल अबू धाबी पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि शांति समझौते के लिए सिर्फ यूक्रेन को ही नहीं, बल्कि रूस को भी गंभीरता दिखानी होगी। जेलेंस्की का कहना है कि अगर वास्तविक समाधान चाहिए, तो दोनों पक्षों को लचीला रुख अपनाना होगा। वहीं, डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को बयान देते हुए कहा कि अगर पुतिन और जेलेंस्की किसी समझौते पर नहीं पहुंचते हैं, तो वे "मूर्ख" साबित होंगे। ट्रम्प के इस बयान को वार्ता पर दबाव बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पूरी दुनिया की निगाहें इस बैठक के नतीजों पर टिकी हुई हैं।

हिटलर के बाद सबसे ताकतवर सेना बनाने की राह पर जर्मनी

बर्लिन (एजेंसी)। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी ने दशकों तक खुद को सैन्य ताकत से दूर रखा। नाजी अतीत और युद्ध की तबाही ने जर्मनी को एक शांतिवादी रुख अपनाने पर मजबूर किया। लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। अल जजीरा की एक रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी यूरोप की सबसे ताकतवर सेना बनाने के मिशन पर निकल चुका है। इसके पीछे रूस से बढ़ता खतरा और अमेरिका पर कमजोर होता भरोसा बड़ी वजह मानी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रम्प के दौर में नाटो और यूरोप की सुरक्षा को लेकर अमेरिका की प्रतिबद्धता पर सवाल उठे। वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध ने जर्मनी को यह एहसास दिला दिया कि अब अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी उसे खुद उठानी होगी। इसी सोच के तहत जर्मनी ने सेना पर खर्च बढ़ा दिया है और युवाओं को बड़े पैमाने पर भर्ती करने की योजना शुरू की है। युवाओं को सेना में लाने के लिए सरकार लुभावने ऑफर दे रही है। बुंडेसवेयर (जर्मन सेना) में 23 महीने की सेवा के लिए करीब 2,600 यूरो यानी लगभग 2.5 लाख रुपये महीने की तनख्वाह दी जा रही है। रहने की सुविधा और इलाज पूरी तरह मुफ्त है। टैक्स कटने के बाद भी करीब 2,300 यूरो युवाओं के हाथ में बचते हैं, जो यूरोप के लिहाज से भी एक बड़ी रकम मानी जाती है। इसके साथ ही, इस साल की शुरुआत से 18 साल के लड़कों को एक अनिवार्य फॉर्म भेजा जा रहा है। इसमें उनसे उनकी शारीरिक और मानसिक फिटनेस की जानकारी मांगी जा रही है। यह कदम पिछले महीने पास हुए नए कानून के तहत उठाया गया है। अभी भर्ती स्वैच्छिक है, लेकिन जरूरत पड़ने पर अनिवार्य सैन्य सेवा लागू करने का अधिकार सरकार के पास होगा।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com